संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

वर्ष-21 अंक- 323
पृष्ठ 8
शुक्रवार
15 अगस्त 2025
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

शहर समता

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक–उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध– बिना वजह आवाज भारी लगना....

विचार– रक्षा और पशुकल्याण साथ चलें ...

खेल– बसपा के पूर्व विधायक और ...

सीएम योगी बोले : सपा ने पीडीए के नाम पर झूठ बोला

लखनऊ, संवाददाता। उत्तर प्रदेश विधानसभा में विजन 2047 पर 24 घंटे से अधिक चली ऐतिहासिक चर्चा का समापन करते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को कहा कि भारत विकसित तब बनेगा, जब हर राज्य अपनी भूमिका निभाएगा और इसमें उत्तर प्रदेश सबसे आगे रहेगा। मुख्यमंत्री ने सत्ता पक्ष और विपक्ष के 187 विधायकों का आभार व्यक्त किया और कहा कि सभी ने गंभीरता और रुचिपूर्ण ढंग से बहस को सार्थक बनाया। उन्होंने कहा कि 24 घंटे से अधिक चली यह चर्चा लोकतंत्र की शक्ति और सदस्यों की गंभीरता का प्रमाण है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि उत्तर प्रदेश केवल देश का सबसे अधिक जनसंख्या

● मुलायम के बाद शिवपाल का नंबर था, पर चाचा गच्चा खा गए

वाला राज्य ही नहीं, बल्कि भारत की आध्यात्मिक और सांस्कृतिक विरासत का ध्वजवाहक भी है। उत्तर प्रदेश सिर्फ बड़ी आबादी वाला राज्य नहीं, यह भारत की आध्यात्मिक और सांस्कृतिक ऊर्जा का केंद्र बिंदु है। मुख्यमंत्री ने याद दिलाया कि 2023 में लखनऊ में ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट के उद्घाटन के समय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा था कि उत्तर प्रदेश दुनिया के लिए ब्राइट स्पॉट है तो उत्तर प्रदेश भारत की ग्रोथ का ड्राइविंग फोर्स बनेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि अधिकांश सदस्य इस

चर्चा में अपने विचार और विज़न को रखना चाहते थे, लेकिन समय और संसाधनों की सीमाओं को देखते हुए हमें चर्चा को आगे बढ़ाना है। इससे संबंधित व्यापक कार्यनीति तैयार करनी है और समाज से जुड़े सभी हितधारकों तक जाना है। उनसे बातचीत के बाद, एक विस्तृत चर्चा कर, सेक्टर–वार मुद्दों पर हम फिर सदन में आएंगे। यह चर्चा उन लोगों के लिए भी आंखें खोलने वाली है जो विधायिका और सदस्यों के आचरण पर उंगली उठाते हैं। प्रदेश और देश के लिए जब भी आवश्यकता पड़ी, हम सभी ने अपना योगदान दिया है और आगे भी देते रहेंगे। हम सबका सौभाग्य है कि देश अपनी आज़ादी के अमृतकाल में प्रवेश कर रहा है। स्वतंत्रता के 78 वर्ष पूरे होने जा रहे हैं। यह यात्रा आत्मावलोकन का अवसर है। मैं कई अवसरों पर इस 24 घंटे की चर्चा का हिस्सा बना। मैंने देखा कि सत्ता पक्ष, विपक्ष और अन्य सभी माननीय सदस्यों ने इसमें गंभीर रुचि दिखाई। कुछ सदस्यों ने तो रातभर जागकर भी चर्चा में योगदान दिया, जिससे देश का भी ध्यान इस ओर गया। इस मौके पर सीएम योगी ने नेता प्रतिपक्ष माता प्रसाद पांडेय पर तंज कसते हुए कहा कि वो जब अपनी विवेक से बोलते हैं तो अच्छा बोलते हैं। जब उन्हें ऊपर से निर्देश मिलते हैं तो वह मुर्गा की बात करने लगते हैं। उन्होंने यहां मुर्गा खाने पर भी व्यंग्य किया। सीएम ने एक शेर के माध्यम से तंज कसा

बड़ा हसीन है उनकी जबान का जादू,
लगा के आग बहारों की बात करते हैं।
जिन्होंने रात में बेखौफ बस्तियां लूटीं,
वही नसीब के मारों की बात करते हैं।

उन्होंने सपा पर तंज कसते हुए कहा कि ये लोग कूप मंडूक हैं। अब वो पीडीए की बात करते हैं जिसका मतलब है कि परिवार डेवलपमेंट अथॉरिटी। पूरी दुनिया आगे बढ़ रही है और ये लोग परिवार डेवलेपमेंट अथॉरिटी की तरह काम कर रहे हैं।

मुलायम के बाद शिवपाल का नंबर था

अपने भाषण में सीएम ने व्यंग्य भी किया। उन्होंने कहा कि मुलायम सिंह के बाद कायदे से चाचा का नंबर आना चाहिए था लेकिन यहां भी चाचा को गच्चा मिला। उनकी इस बात पर पूरे सदन में ठहाका लग गया।

मोदी ने विभाजन की विभीषिका झेलने वालों को श्रद्धांजलि दी

नयी दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस पर देश के इतिहास के सबसे दुखद अध्यायों में से एक के दौरान अनगिनत लोगों द्वारा झेली गई अपार पीड़ा को गंभीरता से याद किया और अपने प्राण गंवाने वालों को भावभीनी श्रद्धांजलि दी। प्रधानमंत्री कार्यालय ने गुरुवार को यहां बताया कि प्रधानमंत्री ने विभाजन के दंश से प्रभावित लोगों के साहस और दृढ़ इरादों को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की तथा अकल्पनीय क्षति का सामना करने के बावजूद अपने जीवन को फिर से बनाने की शक्ति पाने की उनकी क्षमता को नमन किया। श्री मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर एक पोस्ट में कहा, "भारत विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस मनाता है और हमारे इतिहास के उस दुखद अध्याय के दौरान अनगिनत लोगों द्वारा झेली गई

अपार पीड़ा को गंभीरता से याद किया और अपने प्राण गंवाने वालों को भावभीनी श्रद्धांजलि दी। प्रधानमंत्री कार्यालय ने गुरुवार को यहां बताया कि प्रधानमंत्री ने विभाजन के दंश से प्रभावित लोगों के साहस और दृढ़ इरादों को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की तथा अकल्पनीय क्षति का सामना करने के बावजूद अपने जीवन को फिर से बनाने की शक्ति पाने की उनकी क्षमता को नमन किया। श्री मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर एक पोस्ट में कहा, "भारत विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस मनाता है और हमारे इतिहास के उस दुखद अध्याय के दौरान अनगिनत लोगों द्वारा झेली गई अपार पीड़ा को याद करता है। यह उनके साहस... अकल्पनीय क्षति का सामना करने और फिर भी नए सिरे से शुरुआत करने की शक्ति पाने की उनकी क्षमता का सम्मान करने का भी दिन है। प्रभावित हुए कई लोगों ने अपने जीवन को फिर से बनाया और उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल कीं। यह दिन हमारे देश को एक सूत्र में पिरोने वाले सद्भाव के बंधन को मजबूत करने की हमारी स्थायी जिम्मेदारी की भी याद दिलाता है।"

किश्तवाड़ में बादल फटने से तबाही की आशंका, राहत और बचाव कार्य जारी

किश्तवाड़, एजेंसी। किश्तवाड़ जिले के पद्दार ताशोती इलाके में बादल फटने से अचानक बाढ़ आ गई और एक लंगर (सामुदायिक रसोई) शेड बह गया। किश्तवाड़ के उपायुक्त के अनुसार, हताहत होने की आशंका है, हालाँकि आधिकारिक पुष्टि का इंतज़ार है। श्रीनगर मौसम विज्ञान केंद्र ने अगले 4–6 घंटों में जम्मू–कश्मीर के कई हिस्सों में मध्यम से भारी बारिश, हल्की बारिश, गरज, बिजली और तेज़ हवाओं के साथ बारिश का पूर्वानुमान जारी किया है।

शुभकामना

स्वतंत्रता दिवस एवं श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के शुभ अवसर पर समस्त नागरिकों, सुधी पाठकों, विज्ञापनदाताओं एवं शुभेच्छुओं को हार्दिक शुभकामनायें।

–सम्पादक

सूचना

स्वतंत्रता दिवस एवं श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के उपलक्ष्य में प्रेस व कार्यालय में अवकाश रहेगा। अतः अगला अंक 18 अगस्त को प्रकाशित होगा। *–व्यवस्थापक*

प्रयागराज में गंगा-यमुना का जलस्तर स्थिर

बाढ़ का खतरा टला - सफाई और स्वास्थ्य सेवाओं में तेजी, फाफामऊ में 32 सेंटीमीटर घटा पानी

प्रयागराज। संगम नगरी प्रयागराज में गंगा और यमुना नदियों के जलस्तर में उतार-चढ़ाव की रफ्तार अब धीमी हो गई है। बीते 24 घंटों में फाफामऊ स्थित गंगा नदी का जलस्तर 32 सेंटीमीटर कम होकर गुरुवार सुबह 8रू00 बजे 79.52 मीटर दर्ज किया गया। वहीं छतनाग में गंगा का जलस्तर मामूली 4 सेंटीमीटर बढ़कर 79 मीटर पर पहुंचा। नैनी में यमुना नदी का जलस्तर स्थिर है और यह 79.52 मीटर पर बना हुआ है। जलस्तर में कमी आने के साथ ही बाढ़ का खतरा अब पूरी तरह समाप्त हो गया है।

हालांकि बाढ़ के बाद बचे गाद, कचरा और गंदगी से संक्रामक बीमारियों का खतरा बढ़ गया है। इस चुनौती से निपटने के लिए नगर निगम और स्वास्थ्य विभाग की टीमें लगातार प्रभावित इलाकों में सक्रिय हैं। नगर निगम के सफाईकर्मी बाढ़ग्रस्त मोहल्लों में गली-गली जाकर सफाई अभियान चला रहे हैं। कचरा हटाने के साथ-साथ ब्लीचिंग पाउडर और कीटनाशक का छिड़काव किया जा रहा है, ताकि मच्छरों व संक्रमण का खतरा कम हो सके। स्वास्थ्य विभाग की मोबाइल टीमें और डॉक्टरों के दल राहत शिविरों और प्रभावित क्षेत्रों में हेल्थ कैंप लगाकर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध करा रहे हैं। इन कैंपों में बुखार, डायरिया, त्वचा रोग और अन्य संक्रामक बीमारियों की रोकथाम के लिए दवाएं बांटी जा रही हैं, साथ ही लोगों को स्वच्छता और उबालकर पानी पीने की सलाह भी दी जा रही है। सिंचाई विभाग का बाढ़ कंट्रोल रूम अब भी 24 घंटे सक्रिय है और नदियों के जलस्तर की लगातार मॉनिटरिंग कर रहा है, ताकि किसी भी तरह के बदलाव पर तुरंत कार्रवाई की जा सके। अधिकारियों का कहना है कि यदि मौसम में कोई बड़ा बदलाव नहीं हुआ तो अगले कुछ दिनों में जलस्तर सामान्य हो जाएगा और सफाई अभियान पूरी तरह से पूरा कर लिया जाएगा।

पूजा पाल पर भड़के अखिलेश, पार्टी से बर्खास्त किया

आज विधानसभा में योगी की तारीफ की, कहा था-अतीक को मिट्टी में मिलाया

प्रयागराज (संवाददाता)। अखिलेश यादव ने सपा की बागी विधायक पूजा पाल को पार्टी से बर्खास्त कर दिया। पूजा पाल ने आज विधानसभा सत्र के दौरान सीएम योगी की तारीफ की थी। कहा था- उन्होंने माफिया अतीक अहमद को मिट्ष्टी में मिलाया।

पूजा की इस स्पीच के 8 घंटे बाद ही उनको पार्टी से निकालने का आदेश जारी कर दिया। सपा ने कहा- पूजा पाल द्वारा लगातार पार्टी विरोधी गतिविधियां की गईं। चेतावनी देने के बावजूद उन्होंने इन्हें बंद नहीं किया, जिससे पार्टी को नुकसान हुआ।

उनका आचरण पार्टी हितों के खिलाफ है। इसी कारण उन्हें तत्काल प्रभाव से सपा से निष्कासित किया जाता है। साथ ही, उन्हें पार्टी के सभी पदों से हटाया जाता है। अब वह न तो सपा के किसी कार्यक्रम में शामिल होंगी और न ही इसके लिए आमंत्रित की जाएंगी। विधायक पूजा पाल, राजू पाल की पत्नी हैं। राजू पाल की हत्या अतीक अहमद ने की थी।

मैंने अपना पति खोया है, सब जानते हैं कि मेरे पति की हत्या कैसे हुई और किसने की। मैं मुख्यमंत्री को धन्यवाद करती हूं, जिन्होंने मुझे न्याय दिलाया और मेरी बात तब सुनी, जब किसी ने नहीं सुनी। मुख्यमंत्री ने प्रयागराज में मुझ जैसी कई महिलाओं को न्याय दिलाया और

अपराधियों को दंड दिया।

मुख्यमंत्री ने जीरो टॉलरेंस जैसी नीतियां लाकर अतीक अहमद जैसे अपराधियों मिट्टी मिलाया है।मैं उनके इस जीरो टॉलरेंस का समर्थन करती हूं। मैंने तब आवाज उठाई, जब मैंने देखा कि कोई भी अतीक अहमद जैसे अपराधियों के खिलाफ लड़ना नहीं चाहता, जब मैं इस लड़ाई से थकने लगी, तब सीएम योगी ने मुझे न्याय दिलाया। आज पूरा प्रदेश मुख्यमंत्री की ओर विश्वास से देखता है।

पूजा पाल प्रयागराज के कटघर मोहल्ले में रहती थीं। 16 जनवरी 2005 को पूजा की शादी धूमनगंज के उमरपुर नीवां के निवासी राजू पाल के साथ हुई। राजू पाल उस समय इलाहाबाद के शहर पश्चिमी सीट से बसपा के विधायक थे।

पूजा की शादी के महज 9 दिन बाद ही उनके पति राजू पाल की गोलियों से भूनकर हत्या कर दी गई थी । इसमें माफिया अतीक अहमद और उसके भाई अशरफ का नाम आया था। पति की हत्या के बाद पूजा पाल भयभीत नहीं हुईं और हत्यारों को सजा दिलाने के लिए लड़ाई लड़ती रहीं।

2007 में प्रयागराज पश्चिम से बसपा के टिकट पर चुनाव लड़ीं और जीत दर्ज की। इसके बाद 2012 में इसी सीट से माफिया अतीक अहमद को चुनाव हराया था। 2017 में बसपा के टिकट पर तीसरी बार चुनाव लड़ीं और हार गईं। इसके बाद 2022 में सपा के टिकट पर कौशांबी की चायल सीट से चुनाव लड़ी और विधायक बनीं।

यूपी में फरवरी 2024 में राज्यसभा चुनाव में सपा के 7 विधायकों ने पार्टी लाइन के खिलाफ जाकर भाजपा के उम्मीदवारों के पक्ष में क्रॉस वोटिंग की थी। इस घटना ने सपा को बड़ा झटका दिया था। इस वजह से सपा का तीसरा राज्यसभा उम्मीदवार हार गया था। जबकि भाजपा के सभी 8 राज्यसभा उम्मीदवार की जीत हुई थी। क्रॉस वोटिंग करने वाले विधायकों में अभय सिंह, राकेश प्रताप सिंह, मनोज पांडेय, पूजा पाल, विनोद चतुर्वेदी, आशुतोष मौर्य और राकेश पांडेय शामिल थे। अभय सिंह और मनोज पांडेय ने बाद में भाजपा की सदस्यता भी ग्रहण कर ली थी। इस बगावत के बाद सपा नेतृत्व ने इन विधायकों के खिलाफ कार्रवाई की चेतावनी दी थी। 2 महीने पहले अभय सिंह, राकेश सिंह और मनोज पांडेय निकाल दिया था। इसके बाद से पूजा पाल पर कार्रवाई तय मानी जा रही थी। अभी 3 विधायक और हैं, जिनके खिलाफ सपा ने कोई कार्रवाई नहीं की है।

स्तंभकार आलोक रस्तोगी का निधन

प्रयागराज के दारागंज घाट पर होगा अंतिम संस्कार

प्रयागराज। रंगमंच और नौटंकी की दुनिया में अपनी विशिष्ट पहचान बनाने वाले रंगकर्मी आलोक रस्तोगी का गुरुवार सुबह 76 वर्ष की आयु में निधन हो गया। दारागंज स्थित आवास पर सुबह करीब 6रू30 बजे उनका देहांत हुआ। वह विनोद रस्तोगी स्मृति संस्थान के संस्थापक थे। संस्थान के अध्यक्ष अभिलाष नारायण ने बताया कि अंतिम संस्कार शुक्रवार को दारागंज घाट पर होगा। उनके निधन से प्रयागराज के रंगकर्मियों और साहित्यकारों में गहरा शोक है। छह जून 1949 को प्रयागराज (तत्कालीन इलाहाबाद) में जन्मे आलोक रस्तोगी, प्रसिद्ध नाटककार विनोद रस्तोगी के पुत्र थे। साहित्यिक माहौल में पले-बढ़े उन्होंने बचपन से कहानियां और कविताएं लिखना शुरू कर दिया था, जो कई अखबारों व पत्रिकाओं में प्रकाशित हुईं। रंगमंच की बारीकियां उन्होंने अपने पिता से सीखीं और जीवन को उसी के लिए समर्पित कर दिया। करीब पांच दशकों तक उन्होंने रंगमंच को अपना योगदान दिया। 2003 में विनोद रस्तोगी स्मृति संस्थान की स्थापना कर उन्होंने नाट्यकला और नौटंकी के प्रचार-प्रसार का बीड़ा उठाया। 22 वर्षों में वे कई दिग्गज निर्देशकों के साथ जुड़े, 100 से अधिक नाटकों में अभिनय किया और निर्देशन के जरिए कई यादगार प्रस्तुतियां दीं, जिनका मंचन देशभर में और दूरदर्शन पर हुआ। आलोक रस्तोगी ने नौटंकी को पुनर्जीवित करने के लिए नवीन प्रयोग किए और इसे कोलकाता, दिल्ली, भोपाल, मुंबई, चंडीगढ़, जयपुर, उदयपुर, जोधपुर, शिमला, पटना, लखनऊ सहित देश के कई शहरों में नई पीढ़ी तक पहुंचाया। वर्ष 2018 से 2020 तक वे उत्तर प्रदेश सरकार की भारतेंदु नाट्य अकादमी की परामर्श समिति के सदस्य रहे। उनके पुत्र अतिन रस्तोगी इस समय दुबई में कार्यरत हैं। रंगमंच से जुड़े लोगों का कहना है कि उनकी कलात्मक दृष्टि, समर्पण और विनम्र स्वभाव के कारण वे सदैव याद किए जाएंगे। उनके निधन को रंगमंच जगत की अपूरणीय क्षति बताया जा रहा है।

अपराध की गंभीरता से किशोर को जमानत से इंकार नहीं

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने रेप के एक मामले में आरोपी किशोर की जमानत मंजूर करते हुए कहा कि किशोर न्याय (बच्चों की देखभाल और संरक्षण) अधिनियम 2000 के तहत किसी किशोर की जमानत अर्जी पर फैसला करते समय अपराध की गंभीरता प्रासंगिक कारक नहीं है। कोर्ट ने स्पष्ट रूप से कहा कि अपराध की गंभीरता किशोर को जमानत देने से इनकार करने का एक स्वीकार्य आधार नहीं है। यह आदेश न्यायमूर्ति सिद्धार्थ ने किशोर न्याय बोर्ड वाराणसी और विशेष न्यायाधीश पॉक्सो एक्ट वाराणसी के किशोर को जमानत देने से इनकार करने के आदेशों को रद्द करते हुए दिया है। कोर्ट ने कहा कि यह निर्विवाद है कि याची किशोर है और वह अधिनियम के प्रावधानों के लाभ का हकदार है। किसी किशोर की जमानत केवल धारा 12 (1) में निर्धारित तीन विशिष्ट परिस्थितियों में ही अस्वीकार की जा सकती है। पहला यदि रिहाई से उसके किसी ज्ञात अपराधी के संपर्क में आने की संभावना है। दूसरा उसे नैतिक, शारीरिक या मनोवैज्ञानिक खतरे में डालने और तीसरा उसकी रिहाई न्याय के उद्देश्यों को विफल कर देगी। साथ ही अपराध की गंभीरता को जमानत अस्वीकार करने का आधार नहीं बताया गया है। किशोर को जमानत देते समय यह एक प्रासंगिक कारक नहीं है। कोर्ट ने माना कि उक्त दोनों अदालतों के निष्कर्ष त्रुटिपूर्ण और कानून के विपरीत थे और अधिनियम की धारा 12 के प्रावधानों के अनुरूप नहीं थे। आरोपी किशोर की आपराधिक पुनरीक्षण याचिका में किशोर न्याय बोर्ड वाराणसी के 23 अक्टूबर 2024 और विशेष न्यायाधीश पॉक्सो एक्ट वाराणसी के 27 नवंबर 2024 के अपीलीय आदेश को चुनौती दी गई थी। याची किशोर वाराणसी के भेलूपुर थाने में रेप व अन्य आरोपों में दर्ज मुकदमे में आरोपी है। घटना के समय उसकी आयु 17 वर्ष पांच महीने व 25 दिन थी। वह 17 सितंबर 2024 से बाल संरक्षण गृह में था।

रेलवे ने दी तीन नए फ्लाईओवर को मंजूरी

प्रयागराज। रेलवे की पिंक बुक में शामिल प्रस्तावित तीन रेल पुलों को बनाए जाने के लिए रेलवे बोर्ड द्वारा सर्वेक्षण की मंजूरी दे दी गई है। जिला प्रशासन के सहयोग से जमीन अधिग्रहण का काम जल्द शुरू होगा। इन तीन में से एक फ्लाई ओवर की लंबाई 27 किलोमीटर रहेगी। फ्लाईओवर मुंबई रेलमार्ग को वाराणसी रेलमार्ग से जोड़ेगा। प्रयागराज जंक्शन, छिवकी और प्रयाग जंक्शन स्टेशनों पर ट्रेनों के आने-जाने के समय में सुधार करने के लिए उत्तर मध्य रेलवे प्रशासन ने कुछ वर्ष पहले तीन रेल फ्लाईओवर निर्माण की योजना बनाई। इसकी डीपीआर आदि बनाकर भी रेलवे बोर्ड को भेजी गई। रेलवे की पिंक बुक में भी इसे शामिल किया था। अब रेल फ्लाई ओवर निर्माण के साथ ही यहां न्यू छिवकी और न्यू संगम स्टेशन का भी निर्माण होगा। न्यू छिवकी स्टेशन एक एलिवेटेड स्टेशन होगा। इसके नीचे से रिंग रोड निकलेगी। तीन रेल फ्लाई ओवर इरादरगंज-नैनी, इरादतगंज-करछना एवं इरादतगंज रामनाथपुर के निर्माण के लिए भूमि अधिग्रहण संबंधी कार्य अब होगा। इस संबंध में जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा की अध्यक्षता में बुधवार को उत्तर मध्य रेलवे के उप मुख्य अभियंता निर्माण सुजीत कुमार एवं अन्य अफसरों की बैठक हुई। डीएम ने नगर निगम, विकास प्राधिकरण एवं अन्य विभागों को भी समिति में शामिल किए जाने के लिए कहा, ताकि भूमि अधिग्रहण का काम जल्द शुरू हो सके। मुंबई रेलमार्ग को पूर्वोत्तर रेलवे के प्रयागराज रामबाग-क रेलमार्ग से जोड़ने के लिए 26.9 किलोमीटर लंबा रेल फ्लाईओवर बनाया जाएगा। इससे दो लिंक रेल फ्लाईओवर भी निकाले जाएंगे। इरादतगंज - रामनाथपुर फ्लाईओवर रामनाथपुर के निकट कुंवाडीह पर जुड़ेगा। इसके लिए एक पुल भी बनाएगा। इस फ्लाईओवर से जो दो लिंक निकाले जाएंगे उसमें पहला लिंक नैनी-छिवकी के पास करछना रेलवे स्टेशन के पास दिल्ली-हावड़ा रूट से ही लिंक की लंबाई साढ़े चार-साढ़े चार किलोमीटर र इस पूरे फ्लाई ओवर की कुल लंबाई 35.858 किमी होगी। रामनाथपुर फ्लाईओवर को जोड़ने के लिए बनाए फ्लाई ओवर के निर्माण के लिए 118 हेक्टेयर अधिग्रहण करना होगा। यह दोहरीकरण रेल ला ओवर रहेगा।

यूपी के प्राइवेट मेडिकल कॉलेजों में फीस वृद्धि पर रोक

एमबीबीएस की फीस 14.14 लाख करने का मामला, हाईकोर्ट ने सरकार से मांगा जवाब

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने उत्तर प्रदेश के निजी मेडिकल कॉलेजों में एमबीबीएस कोर्स की फीस वृद्धि पर रोक लगा दी है। न्यायमूर्ति चंद्र धारी सिंह ने यह आदेश आन्या परवाल समेत 239 छात्रों की याचिका पर दिया है।

प्रदेश सरकार ने 5 जुलाई को जारी अधिसूचना में शैक्षणिक सत्र 2024-25 से एमबीबीएस की ट्यूशन फीस 11.78 लाख से बढ़ाकर 14.14 लाख रुपए कर दी थी। हापुड़ के जी एस मेडिकल कॉलेज के छात्रों ने इस फीस वृद्धि को चुनौती दी है।

याचिकाकर्ताओं के वकील निपुण सिंह ने कहा कि यह फीस वृद्धि मनमानी है। इस सत्र में यह दूसरी बार फीस बढ़ाई गई है। छात्र पहले ही अन्य विविध शुल्क जमा कर चुके हैं। कॉलेज के ब्रोशर में दी गई फीस संरचना के आधार पर ही छात्रों को प्रवेश मिला था।

प्रदेश सरकार और निजी संस्थानों का कहना है कि फीस वृद्धि यूपी प्राइवेट प्रोफेशनल एजुकेशनल इंस्टीट्यूशंस एक्ट, 2006 के अनुसार की गई है। राज्यपाल ने शुल्क नियामक समिति की सिफारिशों को मंजूरी दी है।

अदालत ने दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद प्रतिवादियों को दो सप्ताह में जवाबी हलफनामा दाखिल करने का निर्देश दिया है। याचिकाकर्ताओं को एक सप्ताह बाद जवाब दाखिल करने की अनुमति दी है। मामले की अगली सुनवाई 17 सितंबर को होगी।

स्वतंत्रता दिवस धूमधाम से मानने को तैयार प्रयागराज

15 अगस्त की तैयारियों में रंगा शहर, देशभक्ति की लहर से गूंज रहीं गलियां

प्रयागराज। स्वतंत्रता दिवस के जश्न को लेकर प्रयागराज पूरी तरह से देशभक्ति के रंग में सराबोर हो गया है। 15 अगस्त से दो दिन पहले ही शहर की फिजाओं में देशप्रेम की खुशबू घुल गई है। चारों ओर तिरंगे की शान, रंग-बिरंगी लाइटों की जगमगाहट और देशभक्ति के नारों से शहर का माहौल पूरी तरह से उत्सवमय हो गया है। शहर के प्रमुख चौराहों जैसे सुभाष चौराहा, बालसन चौराहा, आनंद भवन, विवेकानंद चौराहा, हाई कोर्ट और खासकर ऐतिहासिक आजाद पार्क को भव्य रूप से सजाया गया है। ये स्थान तिरंगे की रंग-बिरंगी रोशनी से नहाए हुए हैं और हर दिशा से देशप्रेम का संदेश दे रहे हैं।

आजाद पार्क, जहां हर वर्ष स्वतंत्रता दिवस के मुख्य कार्यक्रम आयोजित होते हैं, को इस वर्ष विशेष रूप से सजाया गया है। शाम होते ही पूरा क्षेत्र तिरंगे के रंगों से रोशनी में डूब जाता है, जो लोगों को देशभक्ति की अनुभूति कराता है।

शहर की गलियों, बाजारों और मोहल्लों में भी तैयारियों का जोश देखने लायक है। "हर घर तिरंगा" अभियान के तहत लगभग हर घर की छत पर तिरंगा लहराता दिखाई दे रहा है। बच्चे, युवा, महिलाएं और बुजुर्ग दृ सभी इस अभियान में उत्साह से भाग ले रहे हैं।

दुकानों पर भी देशभक्ति के गीतों की गूंज सुनाई दे रही है और स्वतंत्रता दिवस से जुड़े कई आकर्षक सामान जैसे तिरंगे, बैज, टोपी, स्कार्फ, और झंडे ध ाड़ल्ले से बिक रहे हैं।

दो दिन पहले से शहर में विभिन्न संस्थाओं, स्कूलों, कॉलेजों और राजनीतिक दलों द्वारा रैलियों का आयोजन किया जा रहा है। ये रैलियां भारत माता की जय और वंदे मातरम के नारों से गूंज रही हैं। इन रैलियों में सांस्कृतिक झांकियां, देशभक्ति गीत, और पारंपरिक परिधान में सजे बच्चे व कलाकार विशेष आकर्षण का केंद्र बने हुए हैं।

नगर निगम, पुलिस प्रशासन और जिला प्रशासन भी स्वतंत्रता दिवस के मुख्य समारोह को लेकर पूरी तरह से सक्रिय है। सुरक्षा व्यवस्था को लेकर चाक-चौबंद इंतजाम किए गए हैं। संवेदनशील क्षेत्रों में अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती की गई है और ड्रोन कैमरों से निगरानी भी की जा रही है।

प्रयागराज के लोग इस बार 15 अगस्त को केवल औपचारिकता नहीं, बल्कि गर्व, गौरव और एकजुटता के साथ मना रहे हैं। यह उत्सव न केवल आजादी की याद दिलाता है, बल्कि आने वाली पीढ़ियों को देश के प्रति समर्पण और जिम्मेदारी का भाव भी सिखाता है। शहर पूरी तरह तैयार है दृ झंडारोहण, सांस्कृतिक कार्यक्रम, झांकियां और देशभक्ति की गीतों के साथ 15 अगस्त को एक ऐतिहासिक दिन बनाने के लिए। प्रयागराज स्वतंत्रता दिवस का स्वागत पूरे जोश, उत्साह और गर्व के साथ करने को तैयार है।

बदहाली की मार झेल रहा यमुनोत्री सामुदायिक केंद्र, प्राधिकरण की अनदेखी से लोग परेशान, कार्रवाई की मांग

प्रयागराज। प्रयागराज के कालिंदीपुरम आवास योजना के आवंटित यमुनोत्री सामुदायिक केंद्र की बदहाली ने इलाके की चिंता बढ़ा दी है। यह केंद्र कई वर्षों पहले प्रयागराज विकास प्राधिकरण द्वारा करोड़ों रुपए की लागत से बनवाया गया था, लेकिन आज तक इसका इस्तेमाल शुरू नहीं हो पाया है। निर्माण के बाद से ही यह स्थल बिना किसी उपयोग के ही जंगली पौधों से भर गया है और खिड़कियों के टूटने से इसकी संरचना कमजोर हो चुकी है। परिसर में चारो तरफ गंदगी फैली है। आस पास आवारा पशुओं का जमावड़ा लगा रहता है। कालिंदीपुरम जागृत समिति के अध्यक्ष जेपी तिवारी ने कहा कई बार इसकी शिकायत अधिकारियों से की गई, लेकिन अभी तक कोई समाधान नहीं निकला है। नतीजतन, स्थानीय लोग इस सामुदायिक केंद्र का लाभ नहीं उठा पा रहे हैं। उन्हें कार्यक्रम आयोजन के लिए दूर-दराज के महंगे स्थलों पर जाना पड़ता है। स्थानीय लोगों और कॉलोनी वासियों ने प्राधिकरण से आग्रह किया है कि इस केंद्र का शीघ्र लोकार्पण हो और जनता को इसका लाभ मिल सके। प्रशासन जल्द ही इस मुद्दे को गंभीरता से लेकर आवश्यक कार्रवाई करेगा।

ट्रंप के खिलाफ स्वदेशी जागरण मंच का प्रयागराज में प्रदर्शन

अमेरिकी टैरिफ के विरोध में विदेशी कंपनियों के बहिष्कार का आह्वान

प्रयागराज। प्रयागराज में अगस्त क्रांति की स्मृति में स्वदेशी जागरण मंच (पूर्वी उत्तर प्रदेश) के पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं और अधिवक्ताओं ने "स्वदेशी स्वीकार, विदेशी पूर्ण बहिष्कार" संकल्प यात्रा निकाली और अमेरिकन राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का पुतला फूंका। यह विरोध प्रदर्शन इलाहाबाद हाईकोर्ट के गेट नंबर 3 से शुरू होकर अंबेडकर चौराहे पर आयोजित किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा भारत के उत्पादों पर 50: से अधिक टैरिफ लगाने के फैसले ने देशभर में नाराजगी पैदा कर दी है। इसी के खिलाफ मंच क कार्यकर्ताओं ने नारेबाजी करते हुए विदेशी कंपनियों के बहिष्कार का संकल्प लिया। "अमेरिकन कंपनियां भारत छोड़ो", "बालमार्ट भारत छोड़ो" और "डोनाल्ड ट्रंप मुर्दाबाद" जैसे गगनचुंबी नारों से माहौल गूंज उठा।

स्वदेशी जागरण मंच के पदाधिकारियों ने आम नागरिकों से अपील की कि वे केवल भारत में निर्मित स्वदेशी उत्पादों का ही प्रयोग करें और विदेशी ब्रांड्स से दूरी बनाएं। उनका कहना था कि यह आंदोलन केवल एक विरोध प्रदर्शन नहीं, बल्कि आर्थिक स्वावलंबन की दिशा में एक बड़ा कदम है।

कार्यक्रम के दौरान वक्ताओं ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के "स्वदेशी अपनाएं, विदेशी भगाएं" आह्वान को दोहराते हुए कहा कि यह संदेश गांव-गांव तक पहुंचाया जाएगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि भारत अपने व्यापारिक हितों और रोजगार के मामले में किसी भी प्रकार का समझौता नहीं करेगा। अमेरिका के बढ़े हुए टैरिफ का जवाब केवल और केवल पूर्ण स्वदेशी अपनाकर ही दिया जा सकता है। संकल्प यात्रा के अंत में सभी प्रतिभागियों ने एकजुट होकर विदेशी कंपनियों के बहिष्कार और स्वदेशी उत्पादों के अधिकतम उपयोग का संकल्प लिया। आयोजकों ने कहा कि यह अभियान केवल एक दिन का नहीं, बल्कि दीर्घकालिक आंदोलन होगा, जिसका लक्ष्य भारत को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाना है।

प्रयागराज में बाढ़ के फिर बने हालत, गंगा जलस्तर बढ़ा

प्रयागराज। प्रयागराज में बाढ़ की स्थिति का जायजा लेते हुए प्रशासन ने नए आंकड़े जारी किए हैं। जिले में खतरे का स्तर 84.734 मीटर है। यमुना नदी का जलस्तर नैनी में 79.52 मीटर पर स्थिर है। गंगा नदी के विभिन्न स्थानों पर जलस्तर में उतार-चढ़ाव देखा गया है। फाफामऊ में जलस्तर 79.52 मीटर है, जो कल से 32 सेंटीमीटर कम है। छतनाग में जलस्तर 79.00 मीटर तक पहुंच गया है। यहां 4 सेंटीमीटर की वृद्धि हुई है। बक्सी एसटीपी गेज पर 12 सेंटीमीटर की बढ़ोतरी के साथ 79.70 मीटर जलस्तर दर्ज किया गया है। सिंचाई एवं बाढ़ नियंत्रण विभाग के मुताबिक सभी तटबंध सुरक्षित हैं। फिलहाल कोई खतरा नहीं है। विभाग ने सतर्कता बरतने की अपील की है। जलस्तर में अचानक बदलाव की स्थिति में तुरंत कार्रवाई की जाएगी। प्रशासन ने नदी किनारे रहने वाले लोगों को सतर्क रहने को कहा है। उन्हें नदी के पास जाने से बचने की सलाह दी गई है। मौसम विभाग के पूर्वानुमान और ऊपरी क्षेत्रों से आ रहे पानी पर नजर रखी जा रही है। अगले 24 घंटों की स्थिति पर विशेष निगरानी जारी है।

आया जब सैलाब

(कुण्डलिया)

उम्मीदों को रौंदकर, आया जब सैलाब।
खघ्वाब उड़न छू हो गए, जहर बन गया आब।
जहर बन गया आब, परेंशा प्राणी दिखते।
छत बिन हुए मकान, खुले में हैं सब रहते।
सुन लो कहें प्रदीप, छोड़कर तरकीबों को।
हरियाली से आज, जोड़ लो उम्मीदों को।।

बेकाबू नदियाँ हुईं, पानी करे विनाश।
बादल के पीछे दिखें, जब पूरा आकाश।
जब पूरा आकाश, हुआ अब जीना दूभर।
डूब रहे हैं गाँव, शहर भी हुआ समन्दर।
सबकुछ देख प्रदीप, कह रहे सुन लो बाबू।
करो वृक्ष से प्रेम, न काटो हो बेकाबू।।

डॉ० प्रदीप चित्रांशी
लूकरगंज, प्रयागराज

'डीह बलई प्रकरण में लोकपाल मनरेगा समाज शेखर प्राण का आदेश जारी'

प्रधान के नाबालिग भांजे व बहनों को भुगतान की गई धनराशि वापस राजकीय कोष में जमा करने का दिया आदेश

'आरोपित सभी नाबालिग मजदूरों की भुगतान की गई रकम जिम्मेदार मनरेगा कर्मियों से 30 दिन के भीतर वापस कराने का दिया निर्देश'

लापरवाही पर खण्ड विकास अधिकारी से लेकर ग्राम विकास अधिकारी पर लगाया अर्थ दण्ड जांच व विभागीय कार्यवाही की संस्तुति

अमृत तालाब सहित अन्य तालाबों के सम्बन्ध में पृथक आदेश जारी करने का लिया निर्णय

प्रतापगढ। कुन्डा तहसील के बाबागंज विकास खण्ड के डीह बलई ग्राम पंचायत में प्रधान के भांजे सहित 6 नाबालिग बच्चों के नाम जाब कार्ड बनाकर मजदूरी भुगतान किए जाने का खुलासा लोकपाल मनरेगा समाज शेखर प्राण की जांच में हुआ है। वहीं प्रधान की बडी बहनों जिनकी शादी हो गई है और अपने अपने घर रहती है का जाब कार्ड अनौचित्यपूर्ण पाया। लोकपाल ने जिला कार्यक्रम समन्वयक मनरेगा एवं जिलाधिकारी से सभी नाबालिग बच्चों तथा प्रधान की बहन सुधा व शिवा को भुगतान की गई राशि दोषी मनरेगा कर्मियों से वसूल का राजकीय कोष में आदेश जारी होने के 30 दिवस के भीतर जमा कराया जाना सुनिश्चित करने की अपेक्षा की है। लोकपाल ने निर्णय लिया कि ग्राम से प्राप्त अमृत तालाब सहित अन्य तालाबों के शिकायत के सम्बन्ध में अतिशीघ्र ही पृथक आदेश जारी होगा।

बाबागंज ब्लाक के डीह बलई ग्राम पंचायत के राजस्व ग्राम कुसहा के मूल निवासी विजय मिश्र ने 12 जून 2025 को लोकपाल के समक्ष उपस्थित होकर मनरेगा योजना में हो रही अनियमितता की शिकायत की थी। लोकपाल ने मामले की गम्भीरता के दृष्टिगत खण्ड विकास अधिकारी को जांच व कार्यवाही कर अवगत कराने के निर्देश दिए। ग्राम पंचायत के मनरेगा कर्मियों को पत्रावली सहित कार्यालय में तलब किया गया। 03 जुलाई 2025 को लोकपाल ने ग्राम पंचायत भवन पर आयाजित ग्राम चौपाल में ग्राम वासियों से समस्या के सम्बन्ध में संवाद किया और जरूरी बयान दर्ज किए गए। 25 जुलाई 2025 को पुनः ग्राम में शिकायत के सन्दर्भ में लोकपाल द्वारा औचक निरीक्षण किया गया था।

लोकपाल समाज शेखर ने सभी पक्षों की सुनवाई के बाद 12 अगस्त को अपने पत्रांक सं 61/2025–26 द्वारा सभी 13 विन्दुओं पर क्रमवार निर्णय दिया । उन्होने खण्ड विकास अधिकारी बाबागंज राजेन्द्र पाण्डेय, ग्राम प्रधान मुकुन्द यादव, तत्कालीन ग्राम विकास अधिकारी काशी नाथ वर्मा तथा ग्राम विकास अधिकारी धीरेन्द्र शुक्ल पर महात्मागांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारन्टी अधिनियम 2005 की धारा 25 के तहत लापरवाही व दायित्व निभाने में विफल रहने पर सभी पर रूपये एक एक हजार का अर्थ दण्ड लगाते हुए मनरेगा योजना में इनके भूमिका की उच्च स्तरीय जांच व विभागीय कार्यवाही की संस्तुति की गई।

लोकपाल समाज शेखर ने रसोइयां पिंकी देवी द्वारा स्कूल के पार्ट टाइम कार्य के बाद विद्यालय व ग्राम पंचायत के सहयोग व माध्यम से मनरेगा मजदूर के रूप में भी अपने कार्यमापी के अनुसार कार्य पूर्ण कर अपनी आय ईमानदारी से बढा पा रही है की सराहना की। पिंकी देवी के परिवार के सभी जाब कार्डों को नियमानुसार सुव्यवस्थित कराए जाने के आदेश दिए गए है। नाबालिग रजत पुत्र लखपति सहित 6 अन्य आरोपित मजदूरों नाबालिग काजल पुत्री विनोद, अंजलि पुत्री विनोद, आंचल पुत्री मलखान, विवेक पुत्र राम सजीवन,शनि यादव पुत्र गिरिजा शंकर यादव के शैक्षिक प्रमाणपत्रों को संज्ञान में लेकर पडताल की गई। ग्राम पंचायत सचिव द्वारा आयु के सम्बन्ध में प्रस्तुत किए गए परिवार रजिस्टर के आधार को लोकपाल ने संदिग्ध मानते हुए माध्यमिक शिक्षा परिषद् उत्तर प्रदेश द्वारा हाईस्कूल प्रमाणपत्र में अंकित उम्र को बैधानिक मानते हुए कहा कि सभी का नाबालिग होना बखूबी साबित हैं। लोकपाल ने आदेश दिया है कि परीक्षण कराके नियमानुसार 30 दिवस के भीतर नाबालिग मजदूरों के खातों में भुगतान की गई राशि दोषी मनरेगा कर्मियों से वसूली कर राजकीय कोष में जमा किया जाए। दोषी जिम्मेदार मनरेगा कर्मियों के विरूद्ध नियमानुसार कडी कार्यवाही की जाए जिससे इसकी पुनराबृत्ति सम्भव न हो।

लोकपाल समाज शेखर ने टिप्पडी की है कि नाबालिग के जरिए व्यक्तिगत लाभ रखने और सहने की मंशा परिवार व समाज के निरन्तर जीवन मूल्यों के गिरते स्तर का परिचायक है। ऐसे मां बाप भी क्या दोषी नही जो भ्रष्ट व्यवस्था के लिए अपने बच्चों की जिन्दगी भी दांव पर लगा देते हैं। वहीं लोकपाल ने जिलाधिकारी प्रतापगढ को संस्तुति करते हुए बाबागंज को प्राकृतिक रूप से अत्यन्त समृद्ध ब्लाक बताया है। बताया इस क्षेत्र में श्रमिक व श्रम की महत्ता भी है ऐसे में इस विकास खण्ड में प्रभारी कार्यक्रम अधिकारी के बजाए सक्षम कार्यक्रम अधिकारी की नियुक्ति प्राथमिकता पर की जाए। जिससे उक्त विकास खण्ड में मनरेगा योजना सुधार व गुणवत्ता के साथ निरन्तर प्रभावी बन सके।

'पूर्व केंद्रीय मंत्री डॉ. संजीव बालियान से मिले निर्दोषों के परिजन, न्याय की गुहार'

'भोपा क्षेत्र के युवाओं की गिरफ्तारी पर परिजनों का रोष, सर्व खाप पंचायत ने भी उठाए सवाल'

मुजफ्फरनगर। सभोपा पुलिस द्वारा भोपा क्षेत्र के कई निर्दोष युवाओं को हथियारों की तस्करी और मुठभेड़ जैसे गंभीर आरोपों में गिरफ्तार कर जेल भेजे जाने के मामले में परिजनों ने पूर्व केंद्रीय मंत्री डॉ. संजीव बालियान से मुलाकात कर न्याय की गुहार लगाई। परिजनों का आरोप है कि पुलिस ने बिना ठोस सबूतों के

युवाओं को फंसाया है, जिससे पूरे क्षेत्र में पुलिस के प्रति आक्रोश व्याप्त है।

'परिजनों ने सुनाई पूर्व मंत्री को दर्दभरी कहानी'

आज भोपा थाना क्षेत्र के कई परिजनों ने डॉ. संजीव बालियान से भेंट कर अपनी व्यथा सुनाई। उन्होंने बताया कि पुलिस ने उनके बेटों को गलत तरीके से गिरफ्तार किया है और झूठे मामलों में फंसाया है। परिजनों ने कहा हमारे बच्चे निर्दोष हैं। परिजनों ने न्याय की मांग मंत्री ने की है।

'सर्व खाप पंचायत ने भी उठाए सवाल'

इस मामले को लेकर भोकरहेड़ी में सर्व खाप सर्व समाज की पंचायत भी आयोजित की गई थी, जिसमें पुलिस की कार्रवाई को अन्यायपूर्ण बताया गया। पंचायत ने मांग की कि गिरफ्तार युवाओं की निर्दोषता की जांच की जाए और उन्हें तुरंत रिहा किया जाए।

'डॉ. बालियान ने दिलाया न्याय का आश्वासन'

पूर्व केंद्रीय मंत्री डॉ. संजीव बालियान ने परिजनों की बात सुनकर उच्चाधिकारियों से संपर्क करने का आश्वासन परिजनों को दिया है। उन्होंने कहा, 'ष्मैं इस मामले को गंभीरता से ले रहा हूं और प्रशासन से बात करके न्याय दिलाने की पूरी कोशिश करूंगा।

सोती रही सरकार, जागता रहा विपक्ष!

मुजफ्फरनगर। मुजफ्फरनगर की चरथावल विधानसभा से विधायक पंकज मलिक ने विधानसभा में 24 घंटो सदन चलने के दौरान एक सेल्फी साथी विधायको के साथ ली तो सपा अध्यक्ष व पीडीए नेता अखिलेश यादव ने उसे पोस्ट करते हुए लिखा है कि भाजपा ने 24 घंटे का सदन चलाकर साबित कर दिया है कि वो प्रदेश चलाने में कितना पिछड़ गये हैं, इसीलिए चौबीसों घंटे काम करने की बात कर रहे हैं। भाजपा सरकार बताए कि उसके मुखिया से लेकर मंत्री व कितने विधायक चौबीसों घंटे उपस्थित रहे।

जनता 24 घंटे सदन चलाने के पीछे का तर्क पूछ रही है। दिन घटा के और घंटे बढ़ाकर सरकार क्या हासिल करना चाहती है। भाजपा कम–से–कम सदन को तो अपनी इवेंटबाजी से दूर ही रखे।

रात भर जागकर भाजपाई खघ्द को क्या साबित करना चाहते हैं?

एक चुनाव में दो बार मतदान करने का सबूत दें आरोप लगाने वाले : चुनाव आयोग

नयी दिल्ली, एजेंसी। चुनाव आयोग चाहता है कि यदि किसी व्यक्ति के पास किसी चुनाव में एक ही व्यक्ति द्वारा दो बार वोट देने के सबूत हो तो उसे बात को तथ्यों के साथ बाकायदा सामने लाना चाहिए ताकि उसे पर कार्रवाई की जा सके। चुनाव आयोग के एक अधिकारी ने कहा, "एक व्यक्ति एक वोटष का कानून 1951–1952 में भारत के पहले चुनाव से ही लागू है। अगर किसी के पास किसी भी चुनाव में किसी व्यक्ति द्वारा दो बार मतदान करने का कोई सबूत है, तो उसे बिना किसी सबूत के भारत के

सभी मतदाताओं को "चोर" बताने के बजाय, लिखित हलफनामे के साथ चुनाव आयोग के साथ साझा किया जाना चाहिए।" अधिकारी ने कहा, "हमारे मतदाताओं के लिए "वोट चोर" जैसे गंदे शब्दों का इस्तेमाल करके एक झूठी कहानी गढ़ने की कोशिश न केवल करोड़ों भारतीय मतदाताओं पर सीधा हमला है, बल्कि लाखों चुनाव कर्मचारियों की ईमानदारी पर भी हमला है।" उल्लेखनीय है की कांग्रेस पार्टी के नेतृत्व में विपक्षी गठबंधन आयोग पर मतदाता सूचियां में गड़बड़ी करने और वोट की तथाकथित चोरी करवाने के आरोप लग रहा है। आयोग आधिकारिक रूप से बार–बार कह रहा है कि मतदाता सूची से किसी भी मतदाता का नाम जोड़ने या काटने की एक स्पष्ट कानूनी व्यवस्था और प्रक्रिया है।

इन्द्रप्रस्थ पब्लिक स्कूल में श्री कृष्ण जन्माष्टमी का भव्य आयोजन

मोरना। इन्द्रप्रस्थ पब्लिक स्कूल में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी बड़े ही धूमधाम और श्रद्धा भाव के साथ मनाई गई। विद्यालय प्रांगण में हुए कार्यक्रम का शुभारंभ प्रधानाचार्य संजय कुमार ने मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलित कर किया। इसके बाद विविध प्रतियोगिताओं और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने माहौल को भक्तिमय बना दिया।

कार्यक्रम में राधा–कृष्ण फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता, मटकी व बांसुरी सजावट, डांस प्रतियोगिता, दही–हांडी और कार्ड मेकिंग जैसी रंगारंग गतिविधियां आयोजित की गईं। कक्षा 7 की छात्राओं ने छोटी छोटी गैया छोटे छोटे ग्वाल और राधा तेरी चुनरी जैसे गीतों पर शानदार नृत्य प्रस्तुत कर दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया, वहीं श्यामा आन बसो और माशअप गीतों पर हुई प्रस्तुतियों ने खूब तालियां बटोरीं।छात्र छात्राओं ने सुंदर सजावट प्रस्तुत की। कार्ड मेकिंग में अर्णव, परमहंश, सोम्या, वेदांश, यश बालियान, अनिका, अक्ष, प्रियांश, गर्वित और काव्या के कार्ड आकर्षण का केंद्र रहे।विद्यालय प्रबंधक विराज तोमर ने सभी प्रतिभागियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि ऐसे कार्यक्रम छात्रों के मनोबल और आत्मविश्वास को बढ़ाते हैं।

विभाजन विभीषिका राष्ट्र के लिए नासूर प्रो. देवदत्त सरोदे

प्रयागराजसगंगानाथ झा परिसर, प्रयागराज में विभाजन विभीषिका को स्मरण करते हुए परिसर के शोध विकास प्रकोष्ठ के संयोजक प्रो. देवदत्त सरोदे ने विभाजन के पश्चात् उत्पन्न हुई परिस्थिति के विषय में विस्तृत विवरण प्रस्तुत किया। चित्रों एवं प्रस्तुतीकरण के माध्यम से उन्होंने विभाजन की विभीषिका का हृदयस्पर्शी वर्णन कर उपस्थित लोगों को तत्कालीन राजनीतिक स्थिति से अवगत भी कराया। इस अवसर पर अपने वक्तव्य में प्रो. देवदत्त सरोदे ने भारत के इतिहास एवं उसकी भौगोलिक स्थिति

का उल्लेख करते हुए देश के समक्ष आई चुनौतियों का विस्तृत उल्लेख किया। उन्होंने सावरकर के राष्ट्रवाद का विशेष उल्लेख करते हुए उसे राष्ट्र को सुरक्षित रखने में महत्वपूर्ण बताया। विभाजन विभीषिका कार्यक्रम का आयोजन परिसर के मुख्य सभागार में परिसर के निदेशक प्रो. ललित कुमार त्रिपाठी की अध्यक्षता में किया गया। प्रो. ललित कुमार त्रिपाठी ने विभाजन को भारतीय इतिहास के सबसे दुरूखद अध्यायों में से एक बताया। इस अवसर पर परिसरीय हॉल में बड़ी स्क्रीन पर विभाजन से सम्बन्धित वृतचित्र का प्रदर्शन भी किया गया। वृत्तचित्र के द्वारा उपस्थित समस्त परिसरीय सदस्यों ने विभाजन की तत्कालीन परिस्थितियों को गहनतापूर्वक समझा। उक्त कार्यक्रम का संयोजन परिसर के शोध विकास प्रकोष्ठ के संयोजक प्रो. देवदत्त सरोदे ने किया। हर घर तिरंगा कार्यक्रम का संयोजन कर रहे व्याकरण विभाग के एसोशिएट प्रोफेसर डॉ. सुरेश पाण्डेय भी उक्त अवसर पर उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन परिसर के सहायकाचार्य डॉ. यशवन्त कुमार त्रिवेदी ने किया। कार्यक्रम मे प्रो. रामकृष्ण पाण्डेय "परमहंस", प्रो. अपराजिता मिश्रा, डॉ. अंजनी कुमार पुण्डरीक, श्री अंकित मिश्र, सहायकाचार्य, श्री राजेशकान्त तिवारी, संगणक विशेषज्ञ, श्री रमेश चन्द्र, सहायक, श्री संजय कुमार मिश्र, अनुभाग अधिकारी, श्री विजय कुमार मिश्र, सहायक समेत समस्त शैक्षिक अधिकारी, कर्मचारी समेत प्राक्शोध पाठ्यक्रम के छात्र–छात्राएँ एवं परिसरीय अन्य छात्र–छात्राएँ उपस्थित रहे।

रज्जू भय्या विवि के संस्कृत विभाग में छात्र संवाद

प्रयागराज। आनंदमार्ग प्रचारक संघ कलकत्ता के केन्द्रीय सचिव आचार्य दिव्यचेतनानन्द अवधूत ने प्रो. राजेन्द्र सिंह (रज्जू भय्या) विश्वविद्यालय प्रयागराज के संस्कृत विभाग में छात्र संवाद किया। छात्र संवाद कार्यक्रम में दिव्यचेतनानन्द ने ब्रह्म जगत की व्यावहारिक व्याख्या की। नव्य मानवता के गुण बताये। अभिनव समाज के परिप्रेक्ष्य में भौतिक बल, मानसिक बल तथा आध्यात्मिक बल के महत्व को रेखांकित किया। शिव और शक्ति की एकरुपता सिद्ध करते हुए दिव्यचेतनानन्द ने कहा कि जो सम्बन्धा दूध का सफेदी से है, ताप का अग्नि से है वही सम्बन्ध शिव का शक्ति से है। आचार्य आनन्दमूर्ति द्वारा रचित आनन्दसूत्र के गंभीर ज्ञानात्मक तथ्यों से छात्रों को परिचित कराया। संस्कृत विभाग के शोधच्छात्र अनन्तजी मिश्र, नितिन त्रिपाठी, शिखा श्रीवास्तव द्वारा पूछे गये शोधपरक अनेक प्रश्नों का जवाब दिव्यचेतनानन्द ने सहज रुप में दिया। संस्कृत विभाग के शिक्षक डॉ. प्रवीण कुमार द्विवेदी, डॉ. पीयूष मिश्र तथा डॉ. प्रिया झा ने संयुक्त रूप से पुस्तक समर्पित कर दिव्यचेतनानन्द अवधूत का सांकेतिक अभिनंदन किया। संवाद कार्यक्रम में डॉ. प्रदीप कुमार त्रिपाठी, डॉ. गौतम कोहली, डॉ. प्रशान्त सिंह, डॉ. सौरभ द्विवेदी, हंसमुख कुमारी, अंजली पाण्डेय इत्यादि उपस्थित रहे।

'राहुल गांधी ने संविधान नहीं पढ़ा है और न ही उसका सम्मान करते हैं', विपक्ष के नेता पर किरेन रिजिजू का तंज

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने गुरुवार को कांग्रेस सांसद राहुल गांधी पर चुनाव आयोग पर वोट चोरी के आरोपों को लेकर निशाना साधा। उन्होंने आरोप लगाया कि लोकसभा में विपक्ष के नेता ने संविधान नहीं पढ़ा है और न ही उसका सम्मान करते हैं। मीडिया से बात करते हुए, रिजिजू ने कहा कि राहुल गांधी ने संविधान नहीं पढ़ा है और न ही उसका सम्मान करते हैं। मेरे पास राहुल गांधी को सुधारने के लिए कोई दवा नहीं है। सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी के बाद उन्हें होश में आना चाहिए। रिजिजू बिहार में एसआईआर पर सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी का हवाला दे रहे थे, जिसमें चुनाव आयोग द्वारा मतदाता सूची में संशोधन को सही ठहराया गया था और यह स्वीकार किया गया था कि आधार कार्ड नागरिकता का निर्णायक प्रमाण नहीं है। कांग्रेस में कई बुद्धिमान लोगों की मौजूदगी का ज़िक्र करते हुए, किरण रिजिजू ने उनसे राहुल गांधी को कुछ सद्बुद्धि देने का अनुरोध किया। उन्होंने तंज भरे लहजे में कहा कि कांग्रेस में भी कुछ चतुर लोग हैं; सभी राहुल गांधी जैसे नहीं हैं। उन्हें एकजुट होकर राहुल गांधी को कुछ सद्बुद्धि देनी चाहिए। राहुल गांधी द्वारा साझा किए गए उस वीडियो के बारे में, जिसमें वे चुनाव आयोग द्वारा मृत घोषित किए गए लोगों से मिले थे।

सम्पादकीय.....

आवारा कुत्तों का संकट

यूं तो देश में आवारा कुत्तों के संकट को लेकर गाहे–बगाहे सवाल उठते रहे हैं, लेकिन सुप्रीम कोर्ट के दिल्ली के आवारा कुत्तों को लेकर आए सख्त निर्देश ने इस बहस को नया मोड़ दिया है। सर्वोच्च न्यायालय ने दिल्ली सरकार व स्थानीय निकायों से कहा है कि सभी आवारा कुत्तों को आठ सप्ताह के भीतर आश्रय स्थलों में स्थानांतरित किया जाए। हालांकि, समस्या की व्यावहारिक दिक्कतों को लेकर कई यक्ष प्रश्न हैं क्योंकि फिलहाल कुत्तों के लिये ऐसे आश्रय स्थल उपलब्ध नहीं हैं। निस्संदेह, जन सुरक्षा की चिताएं अपनी जगह जायज हैं। बताते हैं कि दिल्ली में रोजाना 2000 तक कुत्ते के काटने की घटनाएं होती हैं। साथ ही रेबीज के मामले भी बढ़ रहे हैं। लेकिन इस बड़ी समस्या का समाधान सिर्फ प्रतिक्रियात्मक नहीं होना चाहिए। यहां उल्लेखनीय है कि बीते साल देशभर में कुत्तों के द्वारा काटने के बाइस लाख मामले सामने आए हैं। निस्संदेह, यह एक जटिल चुनौती है और इसके समाधान के लिये एक दीर्घकालिक, तार्किक व परामर्शी रणनीति की आवश्यकता है। इस अभियान में नगर निकाय, पशु चिकित्सक, पशु कल्याण से जुड़े संगठनों और स्थानीय लोगों की भागीदारी जरूरी है। निर्विवाद रूप से इस संकट के मूल में असली समस्या खराब शहरी नियोजन,पशु जन्म नियंत्रण यानी एबीसी तथा टीकाकरण कार्यक्रमों के कार्यान्वयन से जुड़ी खामियों की है। देश के शहरों, कस्बों और गांवों के कूड़े के ढेर खुले बूचड़खानों के कचरे से भरे रहते हैं। जहां आवारा कुत्तों की आबादी फल–फूल रही है। नगर निकायों द्वारा वर्षों से चलाए जा रहे नसबंदी अभियान और रेबीज–रोधी टीकाकरण अभियान इन आवारा कुत्तों की संख्या को कम करने में विफल रहे हैं। निर्विवाद रूप से इस मद के लिये पर्याप्त बजट न होना और कर्मचारियों की कमी इन प्रयासों में बाधा डालती रही है। इस बीच सड़कों पर आवारा कुत्तों को खाना खिलाने को लेकर आए दिन टकराव देखा जाता रहा है। दरअसल, देश में पशु प्रेमियों की भी एक बड़ी आबादी है। भारत में पशु–पक्षियों के कल्याण व संरक्षण की समृद्ध परंपरा रही है। गाय व श्वान का ग्रास देना संस्कृति का हिस्सा रहा है। सोमवार को दिल्ली में आवारा कुत्तों को आश्रय स्थलों में भेजने के खिलाफ कुछ लोगों ने प्रदर्शन किया तो कुछ लोग हाथ में कई तख्तियां लिए हुए थे, जिसमें लिखा था कि काल भैरव सब देख रहे हैं। दरअसल, हिंदू मान्यताओं के अनुसार जीव संरक्षण के लिये हर देवी–देवता के साथ वन्य जीव, पशु–पक्षियों को दर्शाया गया है। यहां तक कि श्राद्ध के अवसर पर गाय, कौवे व कुत्ते के लिये अन्न ग्रास निकाला जाता है। सदियों से मनुष्य के अंग–संग कुत्ता रहा है। कहा जाता है कि पांडवों के स्वर्गारोहण के वक्त उनके साथ एक श्वान चला था। लेकिन आज शहरों में फ्लैट संस्कृति में पालतू जानवरों की भूमिका खत्म होने से वे सड़कों पर आ गए। यहां सवाल उनके आक्रामक होने पर भी हैं। दरअसल, आम लोग मांसाहारी भोजन के अवशेष कचरे में फेंक देते हैं, जिससे उनमें आक्रामकता आती है। वहीं जानवरों में असुरक्षाबोध भी उन्हें आक्रामक बना देता है। दुनिया के तमाम छोटे–बड़े देशों ने इस समस्या के निवारण हेतु समाधान निकाले हैं। भारत जैसे विशाल देश में संसाधनों के अभाव में पशु कल्याण की प्राथमिकता व्यावहारिक नहीं है। विदेशों में पालतू कुत्तों को पालना भी बहुत महंगा है और सख्त कानूनों से संख्या का नियमन भी किया गया। वहां कुत्तों की संख्या पर नियंत्रण के लिये पुलिस बल तैनात किए गए हैं। साथ ही कुत्तों की नसबंदी, टीकाकरण और लोगों को इन्हें गोद लेने के लिये प्रेरित करके समस्या का समाधान तलाशा गया। भूटान का उदाहरण सामने है जिसने व्यापक वित्त पोषित राष्ट्रीय अभियान के जरिये कुत्तों की पूर्ण नसबंदी का लक्ष्य हासिल किया। दरअसल, हमारे शहरों में एक एकीकृत मॉडल अपनाना चाहिए। जिसमें बड़े पैमाने पर नसबंदी व टीकाकरण का विस्तार शामिल हो। वहीं केवल निर्दिष्ट समय और आरडब्ल्यूए द्वारा प्रबंधित स्थानों पर कुत्तों का भोजन सुनिश्चित करना चाहिए। इसके अलावा अपशिष्ट प्रबंधन में भी सुधार करने की जरूरत है। साथ ही विभिन्न समुदायों को विरोधियों के रूप में नहीं, बल्कि भागीदारों के रूप में संगठित किया जाना चाहिए।

रक्षा और पशुकल्याण साथ चलें

डॉ. दीपक पाचपोर

बेशक लावारिस पशुओं के होने से बहुत सी दिक्कतें आती हैं, गंभीर दुर्घटनाएं भी होती हैं। लेकिन इसका ये अर्थ नहीं है कि उन्हें बाड़े में बंद कर दिया जाए या मार डाला जाए।

सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को आवारा कुत्तों की समस्या पर कड़ा रुख अपनाते हुए दिल्ली–एनसीआर से सभी आवारा कुत्तों को 8 सप्ताह में शेल्टर होम में स्थानांतरित करने का आदेश दिया, जहां नसबंदी और टीकाकरण होगा। इसके बाद कुत्तों को सड़कों पर वापस नहीं छोड़ा जाएगा। शीर्ष अदालत ने 28 जुलाई को दिल्ली–एनसीआर में आवारा कुत्तों की समस्या, उनके काटने एवं रेबीज से होने वाली मौतों के बढ़ते आंकड़ों पर स्वतः संज्ञान लिया था, उसके बाद यह फैसला सुनाया है। इस फैसले पर समाज में दो फाड़ नजर आ रही है। एक तबका है जो इस फैसले को अधिकाधिक प्रसारित करते हुए जितने आवारा कुत्ते आसपास के इलाकों में दिख रहे हैं, उन्हें फौरन हटाने की मांग कर रहा है। जबकि दूसरे तबके को इस आदेश पर आपत्ति है कि यह बेजुबानों के साथ क्रूरता है। सुप्रीम कोर्ट के इस आदेश से 2011 में आई फिल्म चिल्लर पार्टी का ध्यान आ गया। जिसमें एक रिहायशी इलाके में कार साफ करने वाले बच्चे के साथ रह रहे कुत्ते को हटाने पर शक्तिशाली लोग तुल जाते हैं। हालांकि कुछ लोगों की सहृदयता और सबसे बढ़कर छोटे बच्चों के आंदोलन से आखिरकार उस कुत्ते को कॉलोनी में रहने का हक मिल जाता है। बच्चों का मंत्री महोदय से टीवी पर वाद–विवाद भी होता है, जिसमें वे अपनी स्कूल की नैतिक शिक्षा के किताब के उदाहरण देते हैं। कुत्ते के हक के लिए जब बच्चे सड़क पर निकलते हैं तो उनके हाथों में पोस्टर रहता है– ये दुनिया भिडू की भी है। यही बात दरअसल समाज को समझने की जरूरत है कि इस दुनिया पर, हवा, पानी, जंगल, धरती पर केवल इंसान का हक नहीं है, कीट–पतंगे, पशु–पक्षी भी इसके उतने ही हकदार हैं। जब इंसान इनका हक छीनता है, तो फिर किसी न किसी तरह उसका खामियाजा भुगतना पड़ता है। बेशक लावारिस पशुओं के होने से बहुत सी दिक्कतें आती हैं, गंभीर दुर्घटनाएं भी होती हैं। लेकिन इसका ये अर्थ नहीं है कि उन्हें बाड़े में बंद कर दिया जाए या मार डाला जाए। कई ऐसे प्रकरण सामने आ चुके हैं जिसमें निरीह पशुओं को बेरहमी से मार दिया गया और उनसे असुविधा का बहाना बता दिया गया। अदालत के आदेश के बाद सड़क के कुत्तों के प्रति क्रूरता खासतौर पर बढ़ेगी, अब ऐसा अंदेशा हो रहा है। वैसे लावारिस कुत्तों की दिक्कत केवल दिल्ली और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में ही नहीं है। पूरे देश में लावारिस पशुओं से जुड़ी दुर्घटनाएं हो रही हैं। पिछले साल 2024 में देशभर में 37 लाख से अधिक कुत्ते काटने के मामले दर्ज हुए थे, जिनमें से 5.19 लाख से ज्यादा पीड़ित 15 साल से कम उम्र के बच्चे थे। अदालत का आदेश खास तौर पर दिल्ली–एनसीआर के लिए है। दिल्ली में हर दिन औसतन 2,000 कुत्तों के काटने की घटनाएं सामने आ रही हैं।

छोटे समूह में विवाह से दुर्लभ रोगों की आशंका

भारत में करोड़ों लोग दुर्लभ रोगों से पीड़ित हैं। जेनेटिक डाटा दुर्लभ आनुवंशिक रोगों की पहचान व इलाज करने में मददगार है। राष्ट्रीय मिशन के तहत दुर्लभ रोगों वाले 5,000 लोगों की मैपिंग का लक्ष्य है ताकि जीनोम सीक्वेंस के तहत नये जीनध्वैरिएंट की खोज व जांच की जा सके। शोधकर्ताओं के अनुसार, अपने ही सांस्कृतिक समूह के भीतर विवाह के कारण जेनेटिक विविधता कम होती है व दुर्लभ रोगों की आशंका बढ़ती है। दिल्ली के अस्पताल में भर्ती एक रोगी और बेंगलुरु के दूसरे अस्पताल में भर्ती रोगी में, दोनों में जाहिर तौर से आपसी संपर्क नहीं था। लेकिन दोनों में समान म्युटेशन (किसी जीन के डीएनए में स्थायी परिवर्तन) था और उनके सैंपलों में डीएनए का लम्बा डुप्लीकेट ब्लॉक भी था। इसलिए यह संभव है कि 200–300 साल पहले उनके पूर्वज समान हों। ऐसा अश्विन दलाल का कहना है। वह हैदराबाद स्थित सेंटर फॉर डीएनए फिंगरप्रिंटिंग एंड डायग्नोस्टिक्स के प्रमुख हैं। बच्चों में दुर्लभ जेनेटिक रोगों पर नये राष्ट्रीय मिशन की यह शीर्ष संस्था है और इस मिशन के अश्विन दलाल प्रमुख जांचकर्ता हैं। यह कार्यक्रम 2023 में आरंभ हुआ था ताकि दुर्लभ बीमारियों वाले 5,000 रोगियों की मैपिंग की जा सके और भारतीय उपमहाद्वीप में जो देशज दुर्लभ रोगों से जुड़े नये जीनध्वैरिएंट हैं उनकी खोज की जा सके। आधिकारिक तौरपर भारत में 72 मिलियन रोगी ज्ञात दुर्लभ रोगों से पीड़ित हैं। दलाल की संस्था में अभी तक 2,000 रोगी पंजीकृत किये जा चुके हैं और 1,000 जीनोम सीक्वेंस किये जा चुके हैं। वैरिएंट्स खोजने के बाद उनकी सेलुलर व एनिमल मॉडल्स से अतिरिक्त जांच की जायेगी। दलाल की संस्था से कुछ फासले पर ही सेंटर फॉर सेलुलर एंड मॉलिक्यूलर बायोलॉजी (सीसीएमबी) है, जिसकी लैब में कुमारस्वामी थंगराज एक मशीन की ओर इशारा करते हैं जिसमें एनिमल मॉडल के टिश्यू से भरी टेस्ट ट्यूब्स घुमायी जा रही हैं। यह हाल ही में दक्षिण भारत के एक छोटे से समुदाय में खोजे गये जेनेटिक म्युटेशन के अध्ययन का पहला चरण है। जब इस वैरिएंट के वाहक दोनों पैरेंट्स होते हैं, तो बच्चे में घातक रोग उत्पन्न हो सकता है। थंगराज के अनुसार यह म्युटेशन संभवतः हजारों साल पहले किसी पूर्वज के जीन में उत्पन्न हुआ होगा और चूंकि यह समुदाय अपने समूह के भीतर ही विवाह करता रहा, इसलिए यह वैरिएंट बरकरार रहा। भारत में जाति, धर्म, क्षेत्र आदि के भीतर विवाह करने की परम्परा है। यहां जो लगभग 4,600 समुदाय हैं उनमें से एक–तिहाई से भी अधिक पर दुर्लभ जेनेटिक रोग होने का खतरा मंडराता रहता है। यह बात थंगराज व अमेरिका के जेनीटीसिस्ट डेविड रीश के 2017 के मौलिक अध्ययन से सामने आयी। थंगराज सीसीएमबी में सीएसआईआर–भटनागर फेलो हैं और अन्य संस्थाओं व शोधकर्ताओं के सहयोग से आदिवासियों सहित 20–25 अलग अलग समूहों में जेनेटिक म्युटेशन का अध्ययन कर रहे हैं। वहीं अश्विन दलाल का कहना है कि देशभर के डॉक्टर अक्सर उनके पास वह जेनेटिक सैंपल भेजते हैं, जो वह पहचान नहीं पाते। जब उनकी टीम समान वैरिएंट अलग–अलग सैंपलों में पाती है, तो उन्हें सामुदायिक लिंक का संदेह होता है। बहरहाल, जीनोम सीक्वेंसिंग में हुई प्रगति रोगों की खोज में बहुत मददगार साबित हो रही है और यह नई समझ भी कि वंशावली व सामाजिक रीति–रिवाजों से भी स्वास्थ्य खतरे उत्पन्न होते हैं। इसलिए पहले चरण में म्युटेशन की तलाश करके समुदाय की पहचान की जाती है। रोगों का बोझ कम करने के लिए म्युटेशन कैटलॉग और जेनेटिक टेस्ट्स विकसित किये जाते हैं, जो स्क्रीनिंग के लिए इस्तेमाल किये जा सकते हैं। जेनेटिक डाटा न सिर्फ दुर्लभ रोगों की पहचान करने के लिए लाभकारी है बल्कि इलाज में भी सहायक है। एक दशक पहले आंध्र प्रदेश के व्यास समुदाय में पाया गया कि उनमें एक ऐसा जेनेटिक म्युटेशन था, जो कुछ मसल रिलैक्सटेंट को हजम नहीं होने देता था। अब डॉक्टर सर्जरी के दौरान इन ड्रग्स का प्रयोग इस समुदाय के लोगों पर नहीं करते ताकि कुप्रभावों से उन्हें बचाया जा सके। शोधकर्ताओं के अनुसार, अपने ही कुल या सांस्कृतिक समूह के भीतर विवाह करने के कारण समय के साथ छोटी संख्या वाले समूहों की जेनेटिक विविधता कम हो गई और नतीजतन दुर्लभ रोगों की आशंकाएं बढ़ गईं। दरअसल, हमारी पहचान ही हमारे जेनेटिक स्वास्थ्य के खतरों को आकार देती है। हम सभी हर जीन की दो कापियां लेकर चलते हैं, जिनमें से एक मां की तरफ से आती है और दूसरी पिता की तरफ से। कभी कभी रोग–कैरी करने वाला म्युटेशन एक पैरेंट से मिल जाता है। अकेले उसका कोई प्रभाव नहीं पड़ता। लेकिन अगर दोनों पैरेंट्स म्युटेशन कैरी करते हैं।

चिंतन,संकल्प और श्रम जीवन में सफलता के प्रकल्प

संजीव

हर बड़ा व्यक्ति जो हमें समाज से अलग हटकर खड़ा दिखाई देता है, जिसे हम विलक्षण मानते और प्रतिभा संपन्न मानते हैं और आज के संदर्भ में हम उसे सेलिब्रिटी कहते हैं तो निसंदेह उसकी इस सफलता के पीछे अनवरत श्रम, अदम्य मानसिक शक्ति और संयम छुपा होता है, बड़ी सफलता प्राप्त करने का कोई सरल उपाय या शश्वर्टकट नहीं होता है। विपरीत परिस्थितियों में मनुष्य की मानसिक दृढ़ता एवं संकल्पित कठिन श्रम ही सफलता के रास्ते खोलते हैं।

निराशा और चिंता मनुष्य के जीवन की प्रगति के बड़े बाधक हैंस निराशा को तत्काल विचारों से अलग करें और चिंता को अपने मस्तिष्क में ना आने दे अन्यथा अत्यधिक चिंता व्यक्ति को चिता तक ले जाने में देर नहीं करती है अतः सकारात्मक सोच के साथ नवीन संकल्प और दृढ़ निश्चय रखकर जीवन के पथ में अग्रसर हो होंस मन ही मन यदि आपने किसी कठिन कार्य को करने का संकल्प ले लिया तो निरंतर जिजीविषा और संयम के साथ संघर्ष हर बड़ी जीत और सफलता के उत्तम मार्ग हैं। वैसे जीवन में दुष्कर, कठिन कार्य को पहले चुनना चाहिए जिससे पूरी शक्ति एवं उर्जा लगाकर हम उसे प्राप्त कर सकेस कठिन कार्य से घबराकर उससे पलायन करना निराशा को जन्म देता है। निराशा से बढ़कर कोई अवरोध नहीं अतः निराशा, हताशा को त्यागें और ऊर्जा उत्साह के साथ आगे बढ़े, सफलता आपके कदमों पर होगी। हर बड़ा व्यक्ति जो हमें समाज से अलग हटकर खड़ा दिखाई देता है, जिसे हम विलक्षण मानते और प्रतिभा संपन्न मानते हैं और आज के संदर्भ में हम उसे सेलिब्रिटी कहते हैं तो निसंदेह उसकी इस सफलता के पीछे अनवरत श्रम, अदम्य मानसिक शक्ति और संयम छुपा होता है, बड़ी सफलता प्राप्त करने का कोई सरल उपाय या शॉर्टकट नहीं होता है। विपरीत परिस्थितियों में मनुष्य की मानसिक दृढ़ता एवं संकल्पित कठिन श्रम ही सफलता के रास्ते खोलते हैं। यूं तो हर इंसान के जीवन में विशेषताएं, मान्यताएं, प्रतिबद्धताओं और आकांक्षाएं होती हैं, सभी लोग मूलभूत आवश्यकताओं के साथ साथ सामाजिकता , प्रसिद्धि और प्रतिष्ठा जैसी उच्च स्तरीय आवश्यकताओं की पूर्ति करना चाहते हैं, मानव की स्वाभाविक और अदम्य इच्छा की पूर्ति के संपूर्ण जीवन और उसके अस्तित्व के लिए अत्यंत आवश्यक है किंतु व्यक्ति की इच्छा,आकांक्षा सफलता उस उसके मूल्यों,सिद्धांतों और आदर्शों की कीमत पर कतई नहीं होनी चाहिए, यदि व्यक्ति की आकांक्षा,सफलता और इच्छा उसकी अदम्य इच्छा, भूख और मूल्यों को समाविष्ट ना करते हुए दूसरी दिशा में जाती हो तो ऐसे में उसकी सफलता पूरे मानव समाज और मानवता के लिए संकट का कारण भी बन सकती हैस जिस तरह एक वैज्ञानिक मेहनत, लगन, प्रयोगशाला में मानवी संविधान मूल्यों से ओतप्रोत मानव कल्याण के उपकरण न बनाकर जैविक व रासायनिक हथियार बनाकर व्यापक नरसंहार जैसे अमानवीय अविष्कार को मूर्त रूप दे, तो यह समाज के लिए खतरनाक हो सकता हैस यही वजह है की सफलता का नक्शा और इच्छा के पीछे माननीय मूल्यों का होना अत्यंत आवश्यक भी है। मूल्य, सिद्धांत और नैतिकता जीवन के लक्ष्य और उसके क्रियान्वयन में सर्वाधिक संवेदनशील एवं महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैंस सफलता की धारणा केवल स्थापित मापदंड न होकर मानवीय मूल्यों से जुड़ा होकर मानव कल्याण के लिए भी होना चाहिएसइसमें कोई संदेह नहीं की विश्व भर की सभी सभ्यताओं, संस्कृतियों और धर्मों में अहिंसा, सत्य ,करुणा, सेवा, दया और विश्व बंधुत्व की भावना की निर्विवाद उपस्थिति दिखाई देती हैस और वैश्विक विकास की अवधारणा भी इन्हीं बिंदुओं पर रखकर तय की जाती हैस भारत में प्राचीन काल से ही मूल्यों की प्रतिबद्धता की परंपरा चली आ रही हैसऋषि–मुनियों ने तो यहां तक कहा है कि जिसका चरित्र तथा माननीय आदर्श चला गया वह व्यक्ति, मृतक लाश की तरह हो जाता है। भारतीय संस्कृति में आदर्शों तथा मूल्य के पोषक उदाहरणों की अंतहीन सूची है जिनमें कबीर, रैदास, संत,ज्ञानेश्वर तुकाराम,मोइनुद्दीन चिश्ती, निजामुद्दीन औलिया, रहीम,खुसरो, गांधी,नेहरू, टैगोर, सुभाष, विवेकानंद जैसे महान लोग सिद्धांतों की प्रतिबद्धता को अपने जीवन की सफलता मानकर अपने जीवन को समाज को सौंप दिया था।परिणाम स्वरूप व्यक्ति को महज सफलता का पुजारी ना बन कर मूल्यों के प्रति प्रतिबंध होने का प्रयास करना चाहिए। ताकि तनिक सफलता के स्थान पर चिरस्थाई एवं समाज उपयोगी सफलता प्राप्त हो सके। वर्तमान में यह स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहा है कि व्यक्ति स्वाद तथा सफलता के लिए अक्सर अपने मूल्यों को तिलांजलि दे देता है। वर्तमान सुख एवं लालच चिरस्थाई सफलता के सामने महत्वपूर्ण एवं प्राथमिक हो जाता है। आज मनुष्य तत्काल एवं अस्थाई सफलता के पीछे माननीय मूल्यों प्रतिबद्धताओं को किनारे कर उस मरीचिका की तरफ दौड़ रहा है जो अत्यंत अस्थाई एवं पानी के बुलबुले की तरह है। और इससे न तो कोई इतिहास बनता है ।

निराला है अपना वतन

सारे जग से निराला है
अपना वतन
है न धरती कहीं,ऐसा
कोई गगन

पर्वतों का है राजा
हिमालय यहां
हिमशिखर और ऐसा
मिलेगा कहां

जोड़कर हाथ करते सब
इसको नमन
सारे जग से निराला है
अपना वतन

गंगा यमुना की बहती
सरस धार है
राष्ट्रभक्ती ही जीवन का
संसार है

करते जन–गण हैं अर्पण
तन–मन व धन
सारे जग से निराला है
अपना वतन

मिल करें काम सब
अंजुमन के लिए
हम चलें साथ मिलकर
वतन के लिए

हो न हिंसा यहाँ, हो
अमन ही अमन
सारे जग से निराला है
अपना वतन

ध्यान से मेरी विनती
सुनो साथियो
देश के हेतु जीना है
जब तक जियो

स्वार्थ ने है उजाड़ा,अब
संवारो चमन
सारे जग से निराला है
अपना वतन'

जयराम 'जय',
श्पर्णिकाश्बी–11/1,कृष्ण विहार,आवास विकास,
कल्याणपुर, कानपुर–208017(उ.प्र.)
मो.नं० 9415429104–9369848238
E-mail-jairamjay2011@gmail-com

'आजादी की एकता'

विविधता में एकता का
एक ऐसा अनोखा आंदोलन चलाया
विश्वभर में आश्चर्यजनक एक शोध बनकर आंदोलन दिखाया
हिंसात्मक पथ पर कभी भी कोई सँघर्ष करने में नहीं आगे आया
देश की मिट्टी से किया सच्चादेशप्रेम स्नेह प्यार देश की मिट्टी से निभाया,
देश की मिट्टी में मर मिटने में
देशप्रेमी बने रहने की शपथ खाया,
चढ़कर फांसी का फंदा हंसता हंसता देश की खातिर प्राण गंवाया,
अविराम अथक मरतामिटता देशप्रेमी लहूलुहान देशभर में नजर आया,
देश की खातिर देशप्रेमी का
सँघर्ष करते रहे बेहिचक,
एक आवाज उठाया
सौ सौ देश का बहादुर जवान
जुबान पर वही देशप्रेम की आवाज
एकता की भाषा मे गाया,
देशप्रेमियों में नही था भेदभाव
जाति धर्म भाषा त्यागकर
एकता का मिलकर
अपनापन दिखलाया
विविधता में एकता की मजबूतगांठ देशप्रेमी बनकर
आजादी की लड़ाई में दिखाया
कूदकर देशप्रेम में देशप्रेमी
देश को अग्रेजो से सुरक्षित कराया
यही है हिंदुस्तान,
देशप्रेम के पथ का पाठ
आजादी की लड़ाई ही, सिखाया

ललित शर्मा
असम

रजनीकांत के सामने विलेन बनने के उनके अनुभवों के बारे में जब एक इंटरव्यू में उनसे पूछा गया तो नागार्जुन ने बताया, जब डायरेक्टर लोकेश कनगराज पहली बार मेरे पास आए, तो उन्होंने पहले बेहद विनम्रता से मुझसे पूछते हुए कहा कि अगर मैं आपको एक विलेन का रोल ऑफर करूं तो आपको कोई आपत्ति तो नही होगी? अगर आप नही करना चाहें, तो कोई बात नही।

नागार्जुन ने `कुली: द पावरहाउस' में विलेन बनने के लिए 7 बार सुनी थी स्क्रिप्ट

सन पिक्चर्स की रजनीकांतदृलोकेश कनगराज की मेगा पैन–इंडिया एक्शन स्पेक्टेकल कुली द पावरहाउस कल यानी 14 अगस्त 2025 को दुनिया भर में धमाकेदार रिलीज के लिए तैयार है। फिल्म अपने भव्य पैन–इंडिया स्टारकास्ट के लिए पहले से ही सुर्खियों में है, लेकिन सबसे बड़ा सरप्राइज पॅकेज हैं नागार्जुन, जो पहली बार रुपहले पर्दे पर विलेन के रूप में नजर आएंगे। रजनीकांत के सामने विलेन बनने के उनके अनुभवों के बारे में जब एक इंटरव्यू में उनसे पूछा गया तो नागार्जुन ने बताया, जब डायरेक्टर लोकेश कनगराज पहली बार मेरे पास आए, तो उन्होंने पहले बेहद विनम्रता से मुझसे पूछते हुए कहा कि अगर मैं आपको एक विलेन का रोल ऑफर करूं तो आपको कोई आपत्ति तो नहीं होगी? अगर आप नहीं करना चाहें, तो कोई बात नहीं। मैं बस एक कप चाय पियूँगा, बातें करूंगा और चला जाऊंगा।" यह सुनकर नागार्जुन ने उनसे स्क्रिप्ट सुनाने को कहा, और जैसे–जैसे कहानी आगे बढ़ी, वे पूरी तरह इसमें डूबते चले गए। दमदार कहानी, गहराई वाला किरदार और लोकेश की भव्य सिनेमाई कल्पना ने उन्हें बांध लिया। इतना ही नहीं, नागार्जुन को उनका किरदार और कहानी इतनी पसंद आई कि उन्होंने उस मीटिंग के बाद भी लोकेश को 6दृ7 बार दोबारा बुलाकर उस पर चर्चा की। हालांकि जितनी बार उन्होंने इसकी कहानी सुनी, इस फिल्म को लेकर उनकी उत्सुकता और यकीन बढ़ता गया और उन्होंने तय कर लिया कि लिविंग लेजेंड रजनीकांत के साथ उन्हें यह प्रोजेक्ट करना ही चाहिए। अब जब फिल्म बनकर रिलीज के लिए तैयार है, तो फिल्मी पंडितों ने ये बात साफ कर दी है कि लोकेश की कहानी कहने की कला, रजनीकांत का करिश्मा और नागार्जुन का जबरदस्त विलेन अवतार, कुली–द पावरहाउस को सचमुच पावरहाउस बनाने वाले हैं। 400 करोड़ बजट की मेगा–प्रोडक्शन फिल्म कूली द पावरहाउस, रजनीकांत, आमिर खान, नागार्जुन, सत्यराज, उपेंद्र, साउबिन शाहीर और श्रुति हासन जैसे सितारों के साथ भारतीय एक्शन सिनेमा की परिभाषा बदलने के लिए पूरी तरह तैयार है। फिलहाल जेलर 2 और एए 22 ए6 जैसी बड़ी फिल्मों का निर्माण कर चुकी सन पिक्चर्स के बैनर तले बनी और विक्रम, लियो, कैथी, मास्टर जैसी हिट फिल्मों के निर्देशक लोकेश कनगराज के निर्देशन में बनी यह फिल्म, रिलीज से पहले ही देशभर में जुनून और दीवानगी पैदा कर चुकी है।

फैन ने कहा अगर मैं केबीसी में बड़ा इनाम जीतूं, तो कियारा आडवाणी के लिए कार खरीदूंगा

कियारा आडवाणी का जादू अक्सर ऐसे दिल को छू लेने वाले फैन मोमेंट्स को जन्म देता है। कौन बनेगा करोड़पति के हालिया एपिसोड में भी कुछ ऐसा ही देखने को मिला। जब अमिताभ बच्चन ने एक कंटेस्टेंट से पूछा कि अगर वह बड़ा इनाम जीतते हैं तो क्या करेंगे, तो इस जबरदस्त कियारा फैन का जवाब तैयार थाकृएक लग्जरी कार खरीदूंगा और उसमें कियारा को जिंदगीभर अपनी पैसेंजर बनाऊंगा! उसने यह भी बड़े प्यार से जोड़ा कि उसे कियारा का उम्रभर ड्राइवर बनने में भी कोई आपत्ति नहीं है। पूरा स्टूडियो मुस्कुराहटों से भर गया और बिग बी भी इस प्यारे इजहार पर हंस पड़े। ऐसे पल यह साबित करते हैं कि कियारा की खूबसूरती, टैलेंट और जमीन से जुड़ा स्वभाव उन्हें देश की सबसे पसंदीदा सितारों में से एक बनाता है। वर्क फ्रंट की बात करें तो कियारा इन दिनों वॉर 2 से जबरदस्त सुर्खियां बटोर रही हैं, जहां उन्होंने हर सीन में इंप्रेस किया हैकृअपने पहले ग्लैमरस बिकिनी लुक से लेकर दमदार एक्शन सीक्वेंसेस तक। आगे वह यश के साथ बहुप्रतीक्षित पैन–इंडिया एक्शन एंटरटेनर टॉक्सिक में नजर आएंगी।

ये वोट देने वालों का अपमान कंगना के बाद अब जया बच्चन की हरकत पर बरसे अशोक पंडित

एक्ट्रेस और सांसद जया बच्चन इस समय चर्चा में बनी हैं। दरअसल, अपने गुस्से के लिए जानी जाने वाली जया बच्चन ने 12 अगस्त को दिल्ली के कॉन्स्टिट्यूशन क्लब के बाहर सेल्फी लेने आए एक व्यक्ति को धक्का दे दिया था। उसका वीडियो इंटरनेट पर वायरल हुआ था, जिसके बाद हर कोई उनकी कड़ी निंदा कर रहा है। कंगना रनौत के बाद अब फिल्ममेकर अशोक पंडित ने जया बच्चन को आड़े हाथ लिया। डायरेक्टर ने इंस्टाग्राम पर लंबा–चौड़ा पोस्ट किया है और उसमें उन्होंने जया बच्चन की हरकत को बहुत निंदनीय बताया है और जनता का अनादर करने का आरोप लगाया है। अशोक पंडित ने इंस्टाग्राम स्टोरी में लिखा–जया बच्च ने एक आम आदमी को सिर्फ इसलिए धक्का दिया क्योंकि वह सेल्फी लेने की कोशिश कर रहा था ये बहुत ही निंदनीय एक्ट है। और उन लोगों का अपमान भी है जिन्होंने इन्हें वोट दिया। अपनी सेवा के लिए चुना है। अशोक पंडित ने लिखा–एक पब्लिक सर्वेंट 24 घंटे नाराज और चिड़चिड़ा नहीं रह सकता। ऐसे कलाकार से तो इंसानियत और विनम्रता की उम्मीद की जाती है जिसे फैंस का प्यार मिला है और जिसने उसे ये मुकाम और पोजीशन दिलाई हो। बता दें कि जया बच्चन एक फेमस एक्ट्रेस के अलावा राज्यसभा सांसद हैं और उनके इस तरह से वीडियोज अक्सर आते हैं और सुर्खियों में छाए रहते हैं। घटना की बात करें तो जया बच्चन कॉन्स्टिट्यूशन क्लब के बाहर किसी से बात कर रही थीं। तभी वहां एक आदमी आया और उसने एक्ट्रेस के साथ बिना बताए सेल्फी लेनी शुरू कर दी। जब सांसद की नजर पड़ी तो उन्होंने हाथ से उसके सीन पर जोर से धक्का मारा और वह दूर जाकर लड़खड़ाया। इस दौरान उन्होंने उस शख्स से कहा–क्या कर रहे हैं आप? ये क्या है? गुस्से में उन्हें देख वह आदमी शर्मिंदा हो गया और उसने माफी मांगी।

एकता के खिलाफ आरोपों में कोई 'आपराधिकता' नहीं मिली: वेब सीरीज में सैनिकों के 'अपमान' पर पुलिस

ऑनलाइन स्ट्रीमिंग मंच 'ऑल्ट बालाजी' पर अभिनेत्री एवं फिल्म निर्माता एकता कपूर की एक वेब सीरीज में भारतीय सैनिकों के अपमान के आरोपों की जांच करने के बाद मुंबई पुलिस ने यहां एक अदालत को बताया कि उनके (एकता कपूर) खिलाफ लगाए गए आरोपों में कोई ''आपराधिकता'' नहीं पाई गई है। रिपोर्ट में कहा गया कि किसी भी अधिकारी या सक्रिय सशस्त्र बल अधिकारी ने कपूर या ओटीटी मंच के खिलाफ शिकायत दर्ज नहीं करायी है, इसलिए कोई कानूनी कार्रवाई नहीं की गई है। यूट्यूबर विकास पाठक (जिन्हें 'हिंदुस्तानी भाऊ' के नाम से भी जाना जाता है) ने बांद्रा मजिस्ट्रेट अदालत में एक निजी शिकायत दर्ज कराई थी, जिसमें कपूर और ओटीटी प्लेटफॉर्म पर एक आपत्तिजनक दृश्य में भारतीय सेना की वर्दी का चित्रण करके राष्ट्र के गौरव को धूमिल करने का आरोप लगाया गया था। मजिस्ट्रेट ने खार पुलिस को जांच कर रिपोर्ट पेश करने का निर्देश दिया था। इस महीने की शुरुआत में प्रस्तुत रिपोर्ट में कहा गया कि इसी संबंध में मध्यप्रदेश में भी एक मामला दर्ज किया गया है और अन्यत्र नया मामला दर्ज करने की जरुरत नहीं है। पाठक ने शिकायत में एकता कपूर के अलावा उनके माता–पिता शोभा और जीतेंद्र कपूर के साथ–साथ ऑल्ट बालाजी का भी नाम लिया था। पाठक ने दावा किया था कि कपूर परिवार 'स्ट्रीमिंग मंच' के निदेशक थे, लेकिन पुलिस रिपोर्ट में कहा गया कि वे 'बालाजी टेलीफिल्म्स' के निदेशक थे, न कि 'ऑल्ट बालाजी' के थे। रिपोर्ट में कहा गया है कि शिकायतकर्ता द्वारा लगाए गए आरोपों में कोई आपराधिकता नहीं पाई गई है।

माथे पर तिलक और गले में शिव लॉकेट... बर्थडे पर सारा अली खान ने घर में रखी पूजा, सिंपल-सी सफेद कुर्ती में लगी दिलकश

सैफ अली खान और अमृता सिंह की लाडली बेटी सारा अली खान ने हाल ही में अपना 30वां बर्थडे सेलिब्रेट किया। इस खास दिन को सारा ने बेहद ही शांति से मनाया। अपने 30वें बर्थडे पर पूजा– पाठ किया। जी हां, सारा ने घर पर एक छोटी सी पूजा रखी। वहीं पूजा– पाठ करने के बाद एक्ट्रेस ने सफेद रंग की कुर्ती पहनकर सबसे दिलकश रूप दिखाया। सारा ने खुद अपने बर्थडे की प्यारी– प्यारी फोटोज शेयर की हैं जिनमें वो माथे पर तिलक लगाकर भक्ति वाला अंदाज दिखाती नजर आ रही हैं। सारा व्हाइटकलर की चिकनकारी कुर्ती पहनी दिख रही हैं। जिसकी राउंड नेकलाइन है। हसीना के अटायर के आप जिस भी हिस्से में देखेंगे वहां फूलों वाले डिजाइन बने दिखेंगे। कुर्ती के साथ उन्होंने प्लाजो और शरारा की जगह चूड़ीदार पहनी है। इसके साथ पिंक कलर का दुपट्टा ओढ़कर सारा नजाकत दिखाती नजर आ रही हैं। इस आउटफिट के साथ हसीना ने पिंक और रेड डिजाइन वाली जूती सिलेक्ट की। बिना मेकअप के भी वो ग्लो करती नजर आई और उनकी सादगी लोगों को भा गई। इस दौरान लोगों की निगाहें उनके सिंपल आउटफिट से ज्यादा उनकी एसेसरीज पर गईं। उन्होंने गले में एक खास नेक पीस कैरी किया था। वो गले में भगवान शिव वाला लॉकेट पहने नजर आईं। ये गोल्ड लॉकेट काफी यूनिक था। इस देखने वाले देखते ही रह गए। बता दें कि सारा अली खान असल में शिवभक्त हैं, वो कई ज्योतिर्लिंग के दर्शन कर चुकी हैं, फिर वो चाहे उज्जैन महाकाल हो या काशी विश्वनाथ या फिर श्रीशैलम मल्लिकार्जुन। इसके अलावा को केदारनाथ धाम भी दर्शन के लिए जाती रहती हैं। उन्हें अक्सर मंदिरों में जाते देखा जाता है। इसके अलावा वो मजारों पर भी माथा टेकते दिखाई देती हैं।

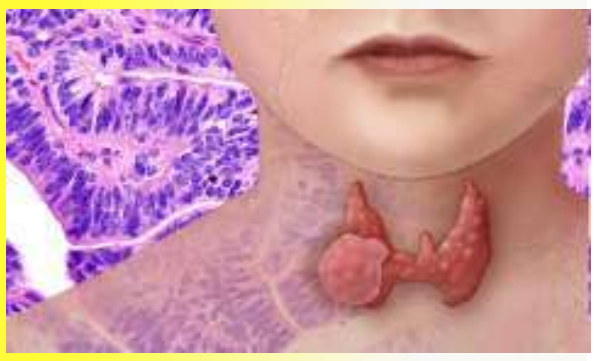

बिना वजह आवाज भारी लगना हो सकता है थायराइड कैंसर का शुरूआती लक्षण, जानिए एक्सपर्ट की राय

कैंसर एक गंभीर और जानलेवा बीमारी है। लेकिन अगर समय रहते इस गंभीर बीमारी की पहचान हो जाती है, तो इसका इलाज संभव है। आज के समय में कैंसर की पहचान और इलाज के लिए आधुनिक तकनीकें मौजूद हैं। जिसकी सहायता से लाखों लोगों ने जीवन की दूसरी शुरूआत की है। हालांकि यह समस्या तब गंभीर हो जाती है, जब इसके शुरूआती लक्षणों को नजरअंदाज कर दिया जाता है। बता दें कि कैंसर शरीर के किसी भी हिस्से में हो सकता है। जैसे स्तन, फेफड़े, गला, थायराइड, मस्तिष्क, आंत या खून में। कई बार कैंसर शरीर में इतने चुपचाप फैलता है। वहीं इसका तब पता चलता है, जब यह गंभीर रूप ले सकता है। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए थायराइड कैंसर के लक्षणों के बारे में बताने जा रहे हैं।

गले में गांठ या सूजन

बता दें कि थायराइड कैंसर का सबसे आम और पहला लक्षण गले में उभार या गांठ का महसूस होना है। यह गांठ धीरे–धीरे आकार में बढ़ सकती है और इसमें दर्द भी नहीं होता है। यह गांठ गले में किसी भी तरफ हो सकती है। कई बार स्पर्श करने या शीशे में देखने से यह पता चलती है। ऐसे में गले में किसी भी असामान्य उभार को नजरअंदाज करने की गलती नहीं करना चाहिए।

आवाज में बदलाव आना या भारीपन

थायराइड ग्रंथि वोकल कॉर्ड्स के पास होती है, इसलिए जब भी इस ग्रंथि में ट्यूमर या सूजन होती है, तो इसका असर आपकी आवाज पर पड़ सकती है। बिना कारण के आवाज बदल जाना या आवाज भारी हो जाना, इस बात का संकेत होता है कि ग्रंथि में कोई गड़बड़ है। अगर यह समस्या लंबे समय तक बनी रहे, तो डॉक्टर से परामर्श जरूर करें।

निगलने या सांस लेने में दिक्कत

जब थायराइड ट्यूमर बढ़ने लगता है, तो यह वायु या भोजन मार्ग पर दबाव डाल सकता है। इसकी वजह से खाना निकलने या सांस लेने में परेशानी हो सकती है। वहीं अगर स्थिति पर समय रहते ध्यान न दिया जाए, तो यह गंभीर रूप ले सकती है।

गले में दर्द या बेचैनी

थायराइड कैंसर की गांठ दर्दरहित होती है। लेकिन कई बार ट्यूमर के विकास के साथ गले में हल्का दर्द, जकड़न या असगजता महसूस हो सकती है। यह दर्द कान तक फैल सकता है। वहीं अगर लगातार बेचैनी बनी रहती है, तो आपको डॉक्टर से संपर्क करना चाहिए।

अचानक वेट बढ़ना या घटना

हालांकि यह लक्षण सीधे तौर पर थायराइड कैंसर से नहीं जुड़ते हैं। लेकिन शरीर केमेटाबॉलिज्म को थायराइड ग्रंथि कंट्रोल करती है। जब इसका काम प्रभावित होता है, तो वेट तेजी से घटता या बढ़ता है। इसके साथ ही कमजोरी, थकान और मूड में बदलाव महसूस हो सकते हैं।

लिपस्टिक लगाएंगे ऐसे, तो हर लुक लगेगा परफेक्ट, अपनाएं ये टिप्स

लिपस्टिक किसी भी महिला के मेकअप किट का सबसे महत्वपूर्ण हिस्सा होती है। सही लिपस्टिक न सिर्फ आपके लुक को संवारती है, बल्कि आपके आत्मविश्वास को भी बढ़ाती है। खासकर जब आप किसी खास अवसर (ओकेजन) के लिए तैयार हो रही हों, तो लिपस्टिक चुनना और भी जरूरी हो जाता है। कई बार गलत शेड या फॉर्मूला आपके पूरे लुक को खराब कर सकता है। इसलिए, लिपस्टिक खरीदते वक्त इन 5 बातों का ध्यान जरूर रखें ताकि आपको मिले परफेक्ट लुक।

1. अपनी स्किन टोन के अनुसार चुनें सही शेड

लिपस्टिक का रंग आपकी त्वचा के रंग से मेल खाना चाहिए। यदि आप अपनी स्किन टोन के हिसाब से सही शेड चुनती हैं, तो आपका लुक निखर जाता है और आपकी खूबसूरती और भी बढ़ती है।

फेयर स्किन टोनः गुलाबी, पिंक, कलर और रेड शेड आपकी त्वचा पर खूबसूरती से खिलेंगे।

मध्यम स्किन टोनः बेरी, रोज, मट रेड और वार्म ब्राउन शेड परफेक्ट रहेंगे।

डार्क स्किन टोनः गहरे लाल, प्लम, बैंगनी और कॉफी शेड्स बहुत अच्छे लगते हैं।

2. मौके और आउटफिट के हिसाब से लें लिपस्टिक

हर ओकेजन के लिए अलग स्टाइल की लिपस्टिक चाहिए होती है।

आजकल मार्केट में कई तरह की लिपस्टिक आती हैं जैसे मट, क्रीमी, लिक्विड, ग्लॉसी। हर फॉर्मूले की अपनी खासियत होती है।

मैट लिपस्टिकः लंबे समय तक टिकती हैं, लेकिन होंठ सूखे हो सकते हैं।

क्रीमी और ग्लॉसीः मॉइस्चराइजिंग होते हैं, पर टिकाऊपन कम होता है।

लिक्विड लिपस्टिकः टिकाऊ होती हैं और रंग भी गाढ़ा होता है।

अपने ओकेजन के हिसाब से सही फार्मूला चुनें ताकि परफेक्ट दिखने के साथ–साथ आप पूरे दिन आराम महसूस करें।

4. क्वालिटी और ब्रांड पर ध्यान दें

सस्ते और नकली लिपस्टिक से बचें। ये न केवल आपकी त्वचा को नुकसान पहुंचा सकते हैं, बल्कि होंठों को भी खराब कर सकते हैं। हमेशा भरोसेमंद और लोकप्रिय ब्रांड से ही लिपस्टिक खरीदें, जिनके प्रोडक्ट सुरक्षित हों और अच्छी क्वालिटी के हों।

5. खरीदने से पहले टेस्ट जरूर करें

लिपस्टिक खरीदते वक्त इसे होंठों पर या हाथ की पीठ पर टेस्ट करना ना भूलें। इससे आपको पता चलेगा कि उसका रंग आपकी त्वचा से मेल खाता है या नहीं। साथ ही यह भी सुनिश्चित करें कि आपको किसी प्रकार की एलर्जी या जलन तो नहीं हो रही। लिपस्टिक खरीदते वक्त ये 5 बातें ध्यान में रखने से आपको ओकेजन के लिए परफेक्ट लुक मिलेगा। सही रंग, फॉर्मूला, टिकाऊपन और क्वालिटी के साथ चुनें अपनी लिपस्टिक।

3. लिपस्टिक का फॉर्मूला और टिकाऊपन समझें जिससे हम खूबसूरत दिख सकें।

ऑफिस या दिन का लुकः न्यूड, मट, या सॉफ्ट पिंक शेड अच्छे रहते हैं। ये ज्यादा उभारते नहीं और प्रोफेशनल दिखते हैं।

पार्टी या शाम का कार्यक्रमः ब्राइट और ग्लॉसी लिपस्टिक चुनें जैसे रेड, मैरून, फुकसिया आदि, जो आपकी खूबसूरती को और निखार दें।

क्या घर मे रख सकते हैं एक से ज्यादा लड्डू गोपाल? बहुत से लोग कर देते हैं ये गलती

घर में एक साथ दो लड्डू गोपाल की सेवा करने को लेकर बहुत से लोग कंफ्यूज होते हैं। कहा जाता है कि पूजा घर में किसी भी देवी या देवता की एक से ज्यादा प्रतिमाएं नहीं रखनी चाहिए। इसी तरह घर में लड्डू गोपाल की भी एक ही प्रतिमा रखकर उसकी विधिवत पूजा करना शुभ माना जाता है। आइए जानते हैं हिंदू धर्म और शास्त्रों के अनुसार लड्डू गोपाल को लेकर क्या है नियम

पूजा को लेकर ध्यान में रखें ये बातें

शास्त्रों में स्पष्ट नियम नहीं कि घर में सिर्फ एक लड्डू गोपाल रखा जाए। इसलिए, दो या उससे अधिक लड्डू गोपाल रखना गलत नहीं माना जाता। लेकिन, ध्यान रखें कि दोनों की पूजा विधिपूर्वक और सम्मान के साथ हो। अगर आपके भी घर में लड्डू गोपाल की दो मूर्तियां हैं तो एक प्रतिमा को लड्डू गोपाल के रूप में और दूसरी प्रतिमा को बाल बलराम के रूप में पूजना चाहिए।

लड्डू गोपाल की सेवा करने के सामान्य नियम

लड्डू गोपाल को साफ–सुथरे स्थान पर रखें, पूजा स्थान हमेशा स्वच्छ और पवित्र होना चाहिए। लड्डू गोपाल को रोज सुबह हल्का स्नान (अर्थात् जलाभिषेक या गंगा जल से साफ करना) देना चाहिए। नित्य भगवान को मीठा भोग, जैसे गुड़, मिश्री, या लड्डू चढ़ाएं, सुबह और शाम नियमित पूजा करें। लड्डू गोपाल को साफ और नए वस्त्र पहनाना शुभ होता है।

दो लड्डू गोपाल की सेवा का खास ध्यान

दोनों की सेवा समान रूप से करें, दोनों के लिए अलग–अलग पूजा सामग्री रखें। यदि दोनों अलग–अलग जगह या कमरे में हैं, तो उनकी देखभाल और पूजा अलग–अलग समय पर करें। कुछ ज्योतिषाचार्यों का मानना है कि लड्डू गोपाल को घर के उत्तर या पूर्व दिशा में रखना शुभ होता है। यदि दो लड्डू गोपाल हैं, तो उन्हें पूजा स्थल पर इस तरह रखें कि वे एक–दूसरे के सामने न हों, जिससे ऊर्जा का प्रवाह बाधित न हो।

जन्माष्टमी में न्यू लुक के लिए वियर करें ये लेटेस्ट डिजाइंस वाले स्कर्ट एंड टॉप, दिखेंगी खूबसूरत

जन्माष्टमी का पर्व आने वाला है और इस खास मौके पर महिलाएं और लड़कियां ट्रेडिशनल लुक में नजर आती हैं। ट्रेडिशनल लुक के लिए महिलाएं सूट और साड़ी कैरी करती हैं। लेकिन अगर आप अपने लुक को मॉर्डन टच देना चाहती हैं। तो आप जन्माष्टमी के मौके पर स्कर्ट और टॉप कैरी कर सकती हैं। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको कुछ लेटेस्ट डिजाइंस वाले स्कर्ट और टॉप दिखाने जा रहे हैं। जिसमें आपका लुक काफी मॉर्डन नजर आएगा। वहीं आप इस आउटफिट में काफी खूबसूरत नजर आएंगी।

सीक्वेंस वर्क स्कर्ट और टॉप

जन्माष्टमी के मौके पर खुद को मॉर्डन टच देने के लिए आप सीक्वेंस वर्क स्कर्ट और टॉप का चुनाव कर सकती हैं। इस ड्रेस में जो टॉप है, उसमें खूबसूरत सीक्वेंस वर्क किया गया है। साथ ही इसकी स्कर्ट प्लेन है। जन्माष्टमी पर न्यू लुक पाने के लिए यह आउटफिट बेस्ट है। इस आउटफिट में आप बेहद सुंदर दिखेंगी। इस आउटफिट में आपको कई कलर ऑप्शन्स मिल जाएगा। जिसको आप ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों जगहों से ले सकती हैं। यह आउटफिट आपको 2,000 से 4,000 रुपए की कीमत में मिल सकता है। इस ड्रेस के साथ आप सिल्वर प्लेटेड इयररिंग्स कैरी कर सकती हैं।

प्रिंटेड टॉप और स्कर्ट

जन्माष्टमी के खास मौके पर आप प्रिंटेड टॉप और स्कर्ट कैरी कर सकती हैं। यह ड्रेस मॉर्डन लुक पाने के लिए बेस्ट हैं। इस आउटफिट में प्रिंट करके बेहद खूबसूरत डिजाइन बनाया गया है। इस कैरी करने के बाद आपका लुक काफी सुंदर नजर आएगा। प्रिंटेड टॉप और स्कर्ट में आपको कई डिजाइन और कलर ऑप्शन मिल जाएंगे। आप ऑनलाइन में 3,000 रुपए तक इस ड्रेस को ले सकती हैं। इस आउटफिट के साथ आप चोकर और पर्ल इयररिंग्स कैरी कर सकती हैं।

फ्लोरल प्रिंट टॉप और स्कर्ट

न्यू लुक पाने के लिए आप फ्लोरल प्रिंट स्कर्ट और सिंपल टॉप कैरी कर सकती हैं। यह आउटफिट आपके लुक को स्टाइलिश टच देने का काम करेगा। इस आउटफिट में आप बेहद सुंदर नजर आएंगी। इस आउटफिट को आप जन्माष्टमी के मौके पर कैरी कर सकती हैं। आप आसानी से इस तरह के आउटफिट ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों ही जगहों से ले सकती हैं। इस ड्रेस के साथ आप झुमके और हैवी नेकलेस कैरी कर सकती हैं।

संक्षिप्त

40 साल पुराने गबन केस में फैसला, आरोपी को 5 साल की जेल

बस्ती, संवाददाता। जिले में 40 साल पुराने गबन मामले में न्यायालय ने बुधवार को अहम फैसला सुनाया। एसीजेएम–1 की अदालत ने आरोपी को 5 साल के साधारण कारावास और 12 हजार रुपये के अर्थदंड की सजा सुनाई। मामला 20 अप्रैल 1985 का है। वादी की तहरीर पर थाना सोनहा में बेलहरा वाल्टरगंज निवासी सूर्यनरायन सिंह के खिलाफ केस दर्ज किया गया था। विवेचक ने जांच के बाद न्यायालय में आरोप पत्र प्रस्तुत किया था। पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में पैरवी सेल और थाना सोनहा पुलिस ने मामले में प्रभावी पैरवी की। 14 अगस्त 2025 को अदालत ने आरोपी सूर्यनरायन सिंह को दोषी करार दिया। अर्थदंड न देने की स्थिति में उन्हें अतिरिक्त कारावास भुगतना होगा। ऑपरेशन कन्विक्शन के तहत जनपद में लंबित मामलों में दोषियों को सजा दिलाने के लिए विशेष प्रयास किए जा रहे हैं। यह जानकारी पुलिस अधीक्षक अभिनंदन ने दी।

हल छठ पर्व पर पुत्रों की दीर्घायु की कामना, महिलाओं ने किया भगवान बलराम का पूजन

बस्ती, संवाददाता। जनपद में गुरुवार को हल छठ का पर्व पारंपरिक रीति–रिवाजों के साथ मनाया गया। व्रती महिलाओं ने सुबह स्नान के बाद भगवान बलराम की पूजा–अर्चना की। ललही छठ के नाम से भी जाने जाने वाला यह त्योहार कृषि और लोक संस्कृति से जुड़ा है। इस दिन महिलाएं खेत में पहली बार हल चलने के अवसर पर व्रत रखती हैं। वे कृषि की समृद्धि और परिवार के कल्याण की प्रार्थना करती हैं। पूजा स्थल पर मिट्टी से बने छोटे–छोटे हल, बैल और खेती के प्रतीक सजाए गए। महिलाओं ने पारंपरिक गीतों का गायन किया। गांवों में महिलाएं सामूहिक रूप से खेतों और आंगन में पूजा करती दिखीं। शहरी क्षेत्रों में भी कई परिवारों ने घरों पर पूजा का आयोजन किया। बच्चों ने पारंपरिक वेशभूषा में पूजा में भाग लिया। घरों में विशेष पकवान बनाए गए। प्रसाद के रूप में गुड़, चना, दही, पूड़ी और मौसमी फल वितरित किए गए। बुजुर्ग महिलाओं ने युवा पीढ़ी को इस पर्व का महत्व समझाया और लोककथाएं सुनाईं। बाजारों में भी त्योहार की रौनक देखने को मिली। पूजा सामग्री, फल और मिठाइयों की अच्छी बिक्री हुई। पूरे जिले में धार्मिक माहौल रहा और लोगों ने परिवार के साथ पर्व की खुशियां साझा कीं।

सैकड़ों छात्रों ने देशभक्ति के नारों के साथ निकाली यात्रा, राष्ट्रध्वज को दी सलामी

बस्ती, संवाददाता। एपीएन पीजी कॉलेज की राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) रानी लक्ष्मी बाई इकाई ने तिरंगा यात्रा का आयोजन किया। यात्रा का शुभारंभ कॉलेज परिसर से हुआ। मुख्य अतिथियों और एनएसएस पदाधिकारियों ने राष्ट्रध्वज को सलामी दी। देशभक्ति के नारों के बीच यात्रा को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। तिरंगा यात्रा गांधीनगर से होते हुए शहर के प्रमुख मार्गों से गुजरी। इसमें सैकड़ों स्वयंसेवक, छात्र–छात्राएं और स्थानीय नागरिक शामिल हुए। यात्रा में भारत माता की जय, वंदे मातरम और जय हिंद के नारे लगे। लोगों ने जगह–जगह तिरंगा यात्रा का स्वागत किया। कई स्थानों पर पुष्पवर्षा की गई। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य देशभक्ति की भावना को मजबूत करना था। साथ ही राष्ट्रीय एकता और अखंडता का संदेश देना था। स्वयंसेवकों ने स्वतंत्रता संग्राम और भारतीय संविधान के बारे में जागरूकता फैलाई। उन्होंने पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए प्लास्टिक मुक्त भारत का संकल्प भी दिलाया। यात्रा शांतिपूर्वक वापस कॉलेज परिसर पहुंची। राष्ट्रगान के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ। एनएसएस के कार्यक्रम अधिकारी ने बताया कि रानी लक्ष्मी बाई इकाई हर वर्ष इस तरह के विशेष कार्यक्रम आयोजित करती है। इससे युवाओं में राष्ट्रप्रेम की भावना मजबूत होती है।

हजारों लोगों ने बाइक रैली में लहराया तिरंगा, असम भाजपा प्रभारी ने किया नेतृत्व

बस्ती, संवाददाता। जिले में हर घर तिरंगा अभियान के तहत गुरुवार को भव्य तिरंगा यात्रा का आयोजन किया गया। असम भाजपा प्रभारी एवं पूर्व सांसद हरीश द्विवेदी और भाजपा जिलाध्यक्ष विवेकानन्द मिश्र ने इस यात्रा का नेतृत्व किया। पूर्व कैबिनेट मंत्री राजकिशोर सिंह भी कार्यक्रम में शामिल रहे। यात्रा सुबह 11.30 बजे गिल्लम चौधरी के हाता, बड़ेवन से शुरू हुई। यह बाइक रैली फव्वारा चौराहा, रौता चौराहा, रोडवेज, दक्षिण दरवाजा, जिला अस्पताल और गांधी नगर होते हुए शास्त्री चौक पर समाप्त हुई। मार्ग पर उमड़े जनसमूह ने तिरंगे और जयकारों के साथ यात्रा का स्वागत किया। मोटरसाइकिल पर सवार हजारों कार्यकर्ताओं और नागरिकों ने तिरंगा लहराते हुए भारत माता की जय और वंदे मातरम् के नारे लगाए। हरीश द्विवेदी ने कहा कि तिरंगा हमारी आन, बान और शान का प्रतीक है। यात्रा का उद्देश्य हर घर में तिरंगा फहराकर देश के प्रति सम्मान जगाना है। भाजपा जिलाध्यक्ष विवेकानन्द मिश्र ने बताया कि यात्रा का लक्ष्य राष्ट्रीय एकता, स्वतंत्रता और लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति सम्मान बढ़ाना है। कार्यक्रम में राकेश श्रीवास्तव, यशकांत सिंह, नरेन्द्र त्रिपाठी, अंकुर वर्मा, अनिल दुबे समेत कई गणमान्य नागरिक और कार्यकर्ता मौजूद रहे।

बाइक ने युवती को मारी टक्कर,सड़क हादसा, दोनों की हालत गंभीर

बस्ती, संवाददाता। जिले में लालगंज थाना क्षेत्र के इस्माइलपुर गांव के पास राम जानकी मार्ग पर गुरुवार दोपहर एक सड़क हादसा हुआ। तेज रफ्तार मोटरसाइकिल ने 18 वर्षीय युवती करिश्मा को टक्कर मार दी। हादसे में करिश्मा और बाइक सवार दोनों घायल हो गए। करिश्मा पुत्री भारत अपने खेत में निराई करने जा रही थी। इसी दौरान पीछे से आ रही बाइक ने उसे टक्कर मार दी। टक्कर के बाद करिश्मा सड़क पर गिर गई। बाइक सवार भी घायल हो गया। स्थानीय लोगों ने दोनों घायलों को निजी वाहन से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया। प्राथमिक उपचार के बाद दोनों को बेहतर इलाज के लिए बस्ती रेफर कर दिया गया। बाइक सवार की अभी तक पहचान नहीं हो पाई है। करिश्मा के परिवार वाले उसके स्वस्थ होने की प्रार्थना कर रहे हैं।

मदरसे के बच्चों ने निकाली तिरंगा यात्रा,भारत माता की जय के नारों से गूंजा इलाका

बस्ती, संवाददाता। आदर्श नगर पंचायत नगर बाजार में श्हर घर झंडा, हर घर तिरंगाश अभियान के अंतर्गत मदरसे के बच्चों ने तिरंगा यात्रा निकाली। सुबह से ही मदरसे में बच्चे, शिक्षक और स्थानीय लोग एकत्र होने लगे थे। सभी के हाथों में तिरंगा था। मदरसे से शुरू हुई यात्रा का नेतृत्व विद्यालय प्रबंधक अब्दुल कलाम और उप प्रबंधक डॉ. हबीबुल्लाह अंसारी ने किया।

बसपा के पूर्व विधायक और बेटा गिरफ्तार,जितेंद्र अहिरवार हत्याकांड का पुलिस ने किया खुलासा

उरई/जालौन, संवाददाता। जालौन के कोंच विधानसभा क्षेत्र से जुड़े एक हाई–प्रोफाइल हत्याकांड का पुलिस ने गुपचुप तरीके से खुलासा कर दिया है। यह मामला घमूरी स्थित विद्या देवी उच्चतर बालिका विद्यालय में मैनेजमेंट का काम देखने वाले कर्मचारी जितेंद्र अहिरवार की हत्या से जुड़ा है। इस हत्याकांड में बहुजन समाज पार्टी (बसपा) के पूर्व विधायक अजय कुमार उर्फ पंकज और उनके बेटे अमन कुमार उर्फ मिक्की को गिरफ्तार कर जेल भेजा गया है। हालांकि, इस गिरफ्तारी को लेकर पुलिस ने कोई औपचारिक प्रेस वार्ता नहीं की, बल्कि केवल मीडिया सेल के माध्यम से फोटो और प्रेस नोट जारी कर जानकारी साझा की। अपर पुलिस अधीक्षक (एएसपी) प्रदीप कुमार वर्मा के अनुसार, 10 अगस्त 2025 को मृतक जितेंद्र अहिरवार के बेटे नितिन कुमार ने कोतवाली कोंच में तहरीर दी थी। नितिन का आरोप था कि 9 अगस्त 2025 को षड्यंत्र के तहत उसके पिता को बुलाकर उनकी हत्या कर दी गई। तहरीर में कांग्रेस के पूर्व विधायक राम प्रसाद, उनके बेटे बसपा के पूर्व विधायक अजय कुमार उर्फ पंकज, अजय के बेटे अमन सिंह उर्फ मिक्की, एक अज्ञात युवक अमित, तथा अजय के बड़े बेटे राजा को नामजद किया गया। इनके खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धाराओं 191(2), 103(1), 352, 351(2), 61(2)() के तहत मुकदमा दर्ज किया गया। हत्या के बाद पुलिस ने आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए एक विशेष टीम का गठन किया। 14 अगस्त 2025 को एसओजी, सर्विलांस यूनिट और कोतवाली कोंच पुलिस ने एक मुखबिर की सूचना पर पंचानन चौराहा, जालौन रोड से बसपा के पूर्व विधायक अजय कुमार और उनके बेटे अमन कुमार को गिरफ्तार कर लिया। उस समय दोनों मामले में वांछित चल रहे थे। पुलिस पूछताछ में मुख्य आरोपी अमन मिक्की ने हत्या की वजह बताई। उसने बताया कि उसने जितेंद्र को समझाने के उद्देश्य से अपने घर बुलाया था। लेकिन जब जितेंद्र उसकी बात मानने को तैयार नहीं हुए, तो अमन ने अपने साथियों के साथ मिलकर उन्हें गाड़ी में डालकर एक बंद पड़े पेट्रोल पंप पर ले जाकर बेरहमी से पीटा। इस मारपीट में जितेंद्र को गंभीर चोटें आईं और मौके पर ही उनकी मौत हो गई। इसके बाद आरोपी उनका शव सीएचसी कोंच के पास फेंककर फरार हो गए। पुलिस ने घटना में प्रयुक्त एक कार (यूपी–92–एएच–6352), मृतक की मोटरसाइकिल (यूपी–92–एच–8214), मृतक की शर्ट, बनियान और आयुष्मान कार्ड बरामद किए हैं। ये सभी साक्ष्य फोरेंसिक जांच के लिए भेजे गए हैं। पुलिस ने इस हाई–प्रोफाइल मामले का खुलासा औपचारिक रूप से न करते हुए केवल मीडिया सेल के माध्यम से जानकारी दी, जिससे कई सवाल खड़े हो गए हैं। मृतक जितेंद्र अहिरवार के जानने वालों ने इस पर नाराजगी जताई है। एएसपी प्रदीप कुमार वर्मा के अनुसार, पूछताछ में आरोपी अमन मिक्की ने बताया कि मृतक जितेंद्र अहिरवार, उनके दादा कांग्रेस के पूर्व विधायक राम प्रसाद के बहुत करीबी हो गए थे। राम प्रसाद ने उन पर भरोसा करते हुए विद्यालय के मुख्य द्वार की चाबी भी उन्हें सौंप दी थी। जितेंद्र विद्यालय की छोटी–बड़ी बातें सीधे राम प्रसाद को बताने लगे थे, जिससे घर के अन्य सदस्यों के साथ विवाद और तनाव की स्थिति बन गई थी। इसी पारिवारिक तनाव के चलते यह हत्या की गई।

दो शातिर बदमाश गिरफ्तार,नशे की लत पूरी करने के लिए करते चोरी

नोएडा, संवाददाता। नोएडा सेक्टर–39 थाना पुलिस ने बाइक चोरी करने वाले गिरोह के सरगना और उसके साथी को बुधवार रात को गिरफ्तार किया है। आरोपी शराब और गांजे के लती हैं। अपने शौक पूरे करने के लिए सोसाइटी, कंपनी और फैक्टरियों के बाहर से बाइक चोरी करते थे। दोनों आरोपियों के पास से 6 बाइक और चाबियों का गुच्छा मिला है। उनके पास चाकू भी मिली। आरोपियों के खिलाफ अलग–अलग थानों में अलग–अलग धाराओं में 15 केस दर्ज हैं। एडिशनल डीसीपी सुमित शुक्ला ने बताया कि सेक्टर–39 थाना क्षेत्र से बाइकों की चोरी होने का मामला सामने आया था। इसके बाद वाहन चोरी करने वाले गिरोह को पकड़ने के लिए एसीपी प्रवीण सिंह की अगुआई में आठ सदस्यीय टीम बनाई गई। टीम ने सेक्टर–44 के पास से गिरोह के सरगना और उसके साथी को गिरफ्तार कर लिया। आरोपियों की पहचान बुलंदशहर के जहांगीराबाद निवासी पवन और आगरा के सदर निवासी कृष्णा उर्फ आर्यन के रूप में हुई।

जमीन विवाद पर डीएम कार्यालय पहुंचा परिवार,गले में तख्ती लटकाकर किया प्रदर्शन

बांदा, संवाददाता। जनपद में एक परिवार ने जिलाधिकारी कार्यालय पहुंचकर अनूठा विरोध प्रदर्शन किया। परिवार ने गले में तख्तियां लटकाकर या तो न्याय या इच्छामृत्यु की मांग की। अतर्रा तहसील के गजपतिपुर के निवासियों का आरोप है कि गांव के दबंगों ने उनकी तीन बीघा जमीन और सरकारी जमीन पर अवैध कब्जा कर लिया है। पीड़ित परिवार ने बताया कि वे एसडीएम राहुल द्विवेदी से 10 बार और जिलाधिकारी से 4 बार मिल चुके हैं। उन्होंने कहा कि ग्राम प्रधान की तहसील के अधिकारियों पर मजबूत पकड़ है, जिसके कारण कोई सुनवाई नहीं हो रही।पीड़ितों का कहना है कि यह उनकी भूमिधरी जमीन है और विरोध करने पर उन्हें जान से मारने की धमकी दी जाती है। जिलाधिकारी ने मामले की गंभीरता को देखते हुए एसडीएम को तत्काल जांच के आदेश दिए हैं। एसडीएम राहुल द्विवेदी के अनुसार, गजपतिपुर खुर्द के रमेश ने जमीन नपवाने का आवेदन दिया था। जांच में पाया गया कि विपक्षी का मकान कुछ हिस्से में आ रहा है। उन्होंने बताया कि मकान हटाने के लिए वादी को धारा 134 के तहत न्यायालय में वाद दायर करना होगा। शेष जमीन का कब्जा वादी को दे दिया गया है।

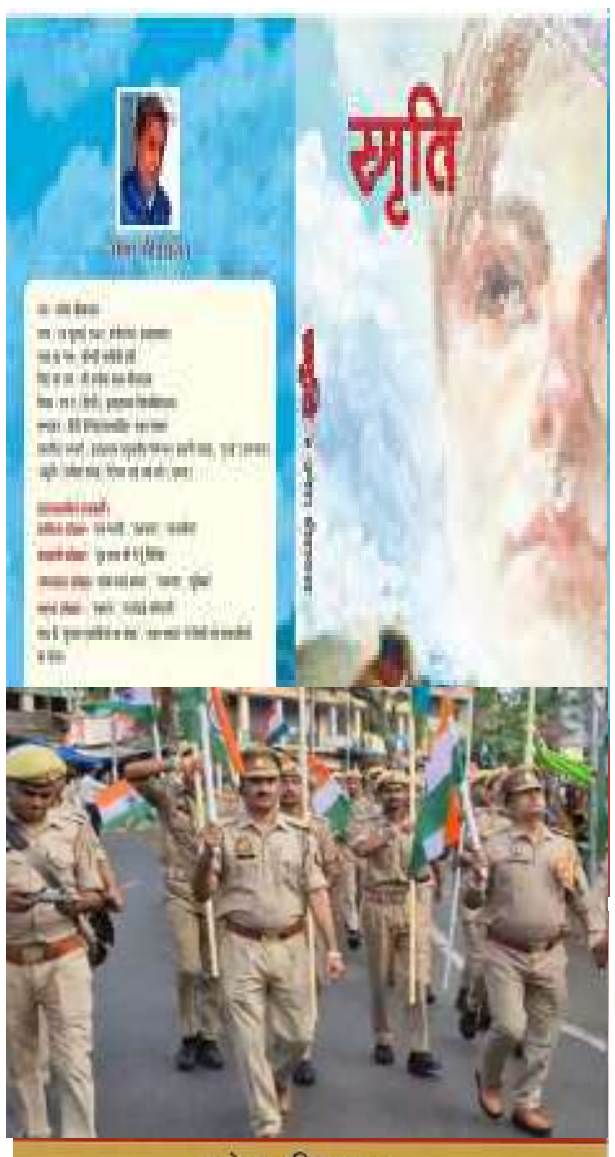

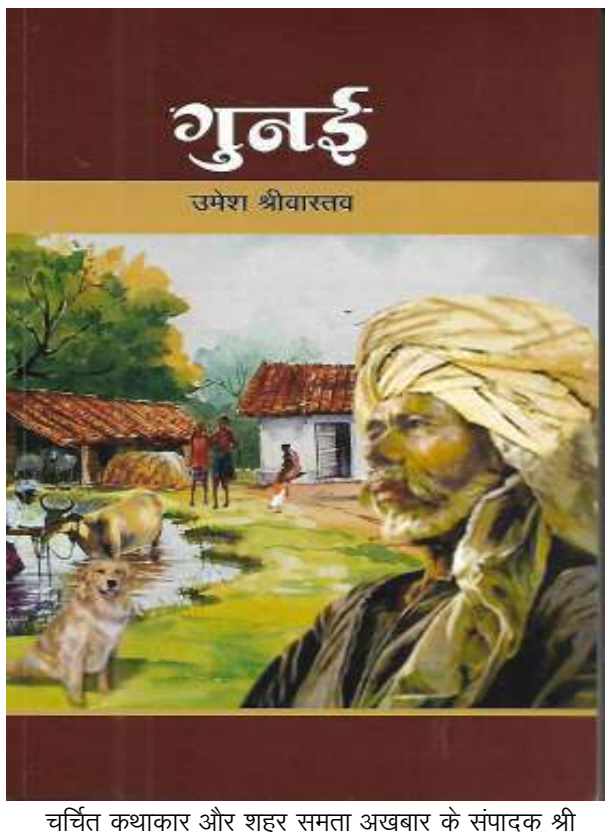

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित

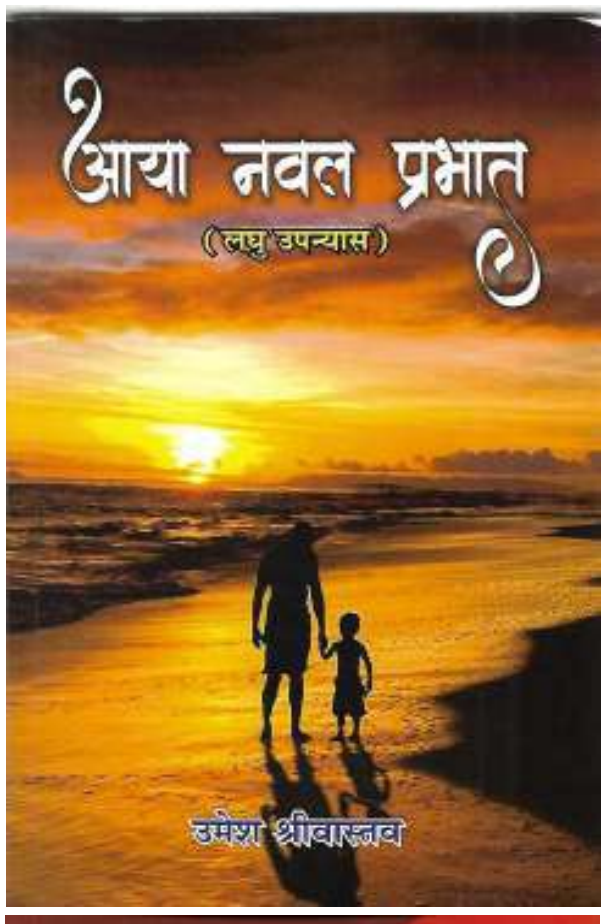

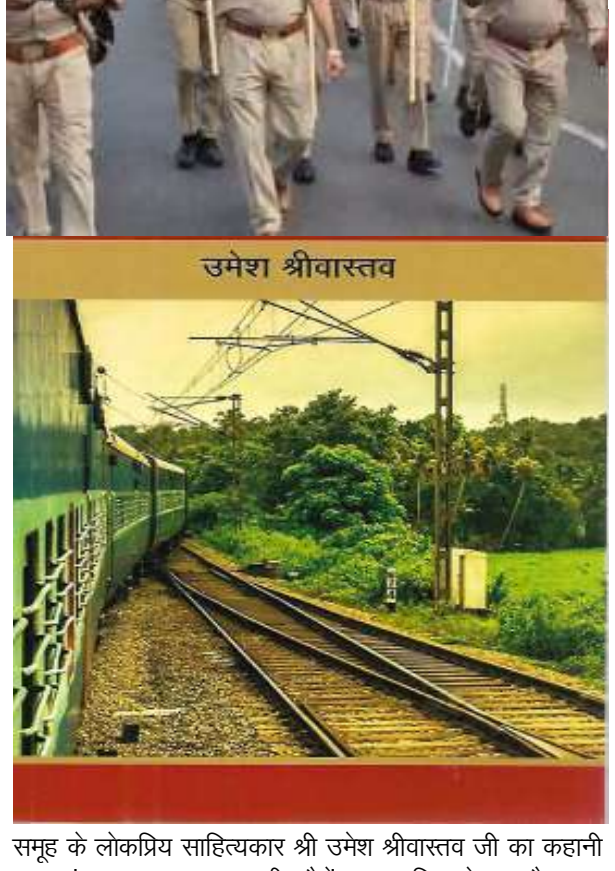

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना।

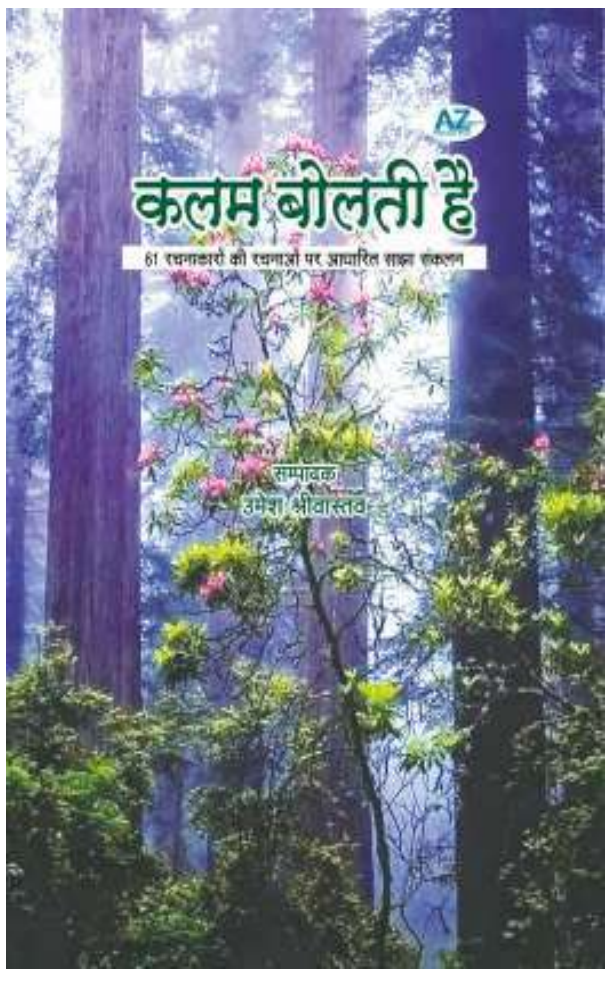

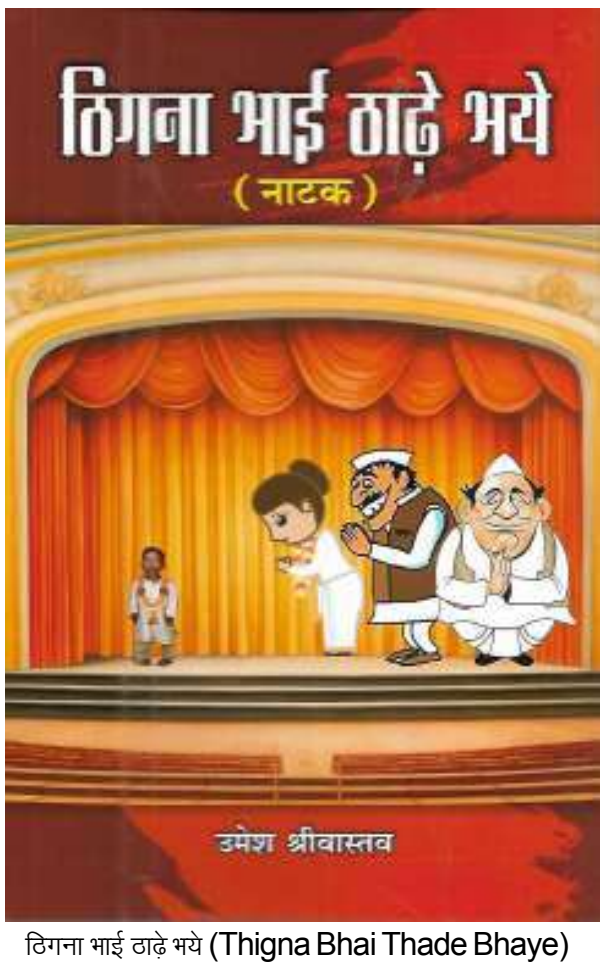

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

उत्तर कोरियाई नेता किम जोंग उन की बहन ने सीमा से लाउडस्पीकर हटाने से इनकार किया

उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग उन की प्रभावशाली बहन किम यो जोंग ने दक्षिण कोरिया के इस दावे को बृहस्पतिवार को खारिज कर दिया कि उत्तर कोरिया ने अंतर–कोरियाई सीमा के पास से अपने कुछ लाउडस्पीकर हटा लिए हैं। किम यो जोंग ने सियोल सरकार का मजाक उड़ाते हुए कहा कि वह अब भी युद्ध से विभाजित दोनों देशों के बीच कूटनीतिक बातचीत की उम्मीद लगाए बैठी है। दक्षिण कोरिया की सेना ने सप्ताहांत में कहा था कि उसने उत्तर कोरिया को कुछ लाउडस्पीकर हटाते हुए देखा है। इससे कुछ दिन पहले ही दक्षिण कोरिया ने तनाव कम करने के प्रयास में सीमा पर लगाए गए अपने लाउडस्पीकर हटा दिए थे। ये लाउडस्पीकर पहले सीमा पार उत्तर कोरिया विरोधी प्रचार सामग्री प्रसारित करने के लिए उपयोग किए जाते थे। किम यो जोंग ने पहले दिए गए उत्तर कोरिया के बयानों को दोहराया कि प्योंगयांग की अमेरिका और दक्षिण कोरिया के साथ लंबे समय से रुकी बातचीत को फिर शुरू करने में फिलहाल कोई रुचि नहीं है। उन्होंने इसके लिए वाशिंगटन और सियोल के बीच होने वाले आगामी संयुक्त सैन्य अभ्यास का हवाला दिया, जिसे उत्तर कोरिया अपने प्रति शत्रुता के रूप में देखता है। किम के बयान के बारे में पूछे जाने पर दक्षिण कोरिया के संयुक्त चीफ ऑफ स्टाफ के प्रवक्ता कर्नल ली सुंग जून ने कहा कि सेना ने उत्तर कोरिया के कुछ लाउडस्पीकर हटाने की पुष्टि की है और आगाह किया कि राजनीतिक मकसद वाले उत्तर कोरिया के बयानों को गंभीरता से नहीं लेना चाहिए।

मेलानिया ट्रंप ने हंटर बाइडन से अपनी आपत्तिजनक टिप्पणियां वापस लेने की मांग की

अमेरिका की प्रथम महिला मेलानिया ट्रंप ने हंटर बाइडन से अपनी वह टिप्पणी वापस लेने की मांग की है जिसमें उन्होंने यौन शोषण एवं तस्करी के दोषी जेफ्री एपस्टीन से उनका नाम जोड़ा था। मेलानिया ट्रंप ने चेतावनी दी कि यदि हंटर अपनी टिप्पणी वापस नहीं लेंगे तो वह उन पर मुकदमा करेंगी। मेलानिया को पूर्व राष्ट्रपति जो बाइडन के बेटे की इस महीने ब्रिटिश पत्रकार एंड्रयू कैलाघन के साथ एक साक्षात्कार के दौरान की गयी दो टिप्पणियों पर आपत्ति हैं। हंटर बाइडन ने आरोप लगाया था कि मेलानिया का (राष्ट्रपति) डोनाल्ड ट्रंप से परिचय एपस्टीन ने कराया था। मेलानिया ट्रंप के वकील अलेजांद्रो ब्रिटो ने हंटर बाइडन को लिखे एक पत्र में कहा, ''ये बयान झूठे, मानहानिकारक और 'बेहद अश्लील' हैं।'' पत्र में कहा गया है कि हंटर बाइडन की ये टिप्पणियां सोशल मीडिया पर व्यापक रूप से प्रसारित हुईं और दुनियाभर के मीडिया संगठनों ने इसे प्रकाशित किया।

बीजिंग ने ट्रंप के जहाज को खदेड़ दिया, बीच समुंदर जब भिड़ी यूएस–चीन की सेना

एक तरफ डोनाल्ड ट्रंप का टैरिफ वॉर कई देशों में हड़कंप मचा रहा है तो दूसरी तरफ चीन और अमेरिका के बीच दक्षिण चीन सागर में एक युद्ध शुरू हो गया है। दक्षिण चीन सागर में अमेरिका और चीन एक बार फिर आमने सामने आ गए हैं और टकराव की स्थिति देखने को मिली है। चीनी सेना का दावा है कि उसने स्कार्बोरोशोल के पास गश्त करते एक अमेरिकी विध्वंसक युद्धपोत को निगरानी में लिया और खदेड़ दिया। चीन ने कहा है कि अमेरिका की ये कार्रवाई चीन की संप्रभुता और सुरक्षा का गंभीर उल्लंघन है। दक्षिण चीन सागर में शांति और स्थितरता को ये गंभीर रूप से नुकसान पहुंचाती है। यानी की साउथ चाइना सी में दोनों देश आमन सामने आ गए हैं। अमेरिकी नौसेना ने अपनी तैनाती को अंतरराष्ट्रीय कानून के अनुरूप बताया। अमेरिका ने कहा कि ये नैविगेशन की स्वतंत्रता सुनिश्चित करने के लिए की गई थी, लेकिन चीन के द्वारा कदम उठाते हुए उन्हें खदेड़ दिया गया। अमेरिका ने दक्षिण चीन सागर के विवादित तटवर्ती क्षेत्र में दो युद्धपोत तैनात किए थे। जहां दो दिन पहले फिलीपीन के छोटे जहाज को भगाने के प्रयास के दौरान चीनी नौसेना और तट रक्षक बल के दो जहाज आपस में टकरा गए थे। इस घटना के सामने आने के बाद कई पश्चिमी और एशियाई देशों में चिंता पैदा हो गई थी। कहा जा रहा है कि अब एक बड़ा विवाद खड़ा हो सकता है। चीन और फिलीपीन दोनों ही दक्षिण चीन सागर में स्कारबोरो शोल और अन्य बाहरी क्षेत्रों पर अपना दावा करते हैं। ऐसे में वियतनाम, मलेशिया, ब्रूनेई और ताइवान भी इस विवादित जलक्षेत्र पर अपने–अपने दावे करते आए हैं। लेकिन इस क्षेत्र का 80 फीसदी इलाका चीन अपना मानता है। यही वजह है कि जब अमेरिका के युद्धपोत वहां देखें गए तो चीन की सेना की तरफ से तुरंत प्रहार किया गया। चीन की तरफ से दावा ये किया जा रहा है कि अमेरिकी युद्धपोतों को वहां से खदेड़ दिया गया। 12 अगस्त को फिलीपींस की एक गश्ती नाव का पीछा करते हुए एक चीनी युद्धपोत अपने ही एक तटरक्षक पोत से टकरा गया था। चीन अपनी नाइन–डैश–लाइन के तहत लगभग पूरे दक्षिण चीन सागर पर अपना दावा करता है, जो नीदरलैंड की एक अंतरराष्ट्रीय मध्यस्थता अदालत के 2016 के उस फैसले को खारिज करता है जिसमें बीजिंग के दावों का कोई कानूनी या ऐतिहासिक आधार नहीं पाया गया था। दक्षिण चीन सागर में चीनी और फिलिपिनो जहाजों के बीच कई झड़पें हुई हैं, फिलीपींस ने पिछले साल बीजिंग की सेना पर फिलीपींस के जहाजों का पीछा करने और एक अन्य विवादित चट्टान के पास गश्त कर रहे विमानों पर लेज़र दागने का आरोप लगाया था। फ़िलिपीनो अधिकारियों के अनुसार, झड़पों में नावों की टक्कर, पानी की बौछारें और फ़िलिपीनो नाविकों के घायल होने की घटनाएँ शामिल हैं। मई 2024 में फ़िलिपीनी राष्ट्रपति फ़र्डिनेंड मार्कोस जूनियर ने कहा था कि अगर दक्षिण चीन सागर में चीनी तटरक्षक बल के साथ किसी घटना में किसी फ़िलिपीनी नागरिक की मौत हो जाती है, तो यह लगभग निश्चित रूप से एक रेड लाइन होगी और युद्ध की कार्रवाई के बहुत, बहुत क़रीब होगी। उन्होंने अमेरिकी सेनाओं का ज़िक्र करते हुए कहा मेरा मानना है कि हमारे संधि साझेदार भी इसी मानक को मानते हैं। वाशिंगटन की मनीला के साथ 1951 से एक पारस्परिक रक्षा संधि है, जिसके अनुसार प्रशांत क्षेत्र में फ़िलिपींस या अमेरिका पर हमला दूसरे पर हमला माना जाएगा।

पुतिन–ट्रंप वार्ता हुई फेल तो...अमेरिका ने भारत को दी बड़ी धमकी

अमेरिकी वित्त मंत्री ने चेतावनी दी है कि ट्रंप प्रशासन भारत पर अतिरिक्त द्वितीयक शुल्क लगा सकता है। इस बात का अंतिम निर्णय राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के बीच बैठक के परिणाम पर निर्भर करेगा। ब्लूमबर्ग टीवी से बात करते हुए, वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट ने कहा कि अगर शुक्रवार को अलास्का में होने वाली वार्ता के सकारात्मक परिणाम नहीं निकलते हैं, तो अमेरिका भारत पर और भी द्वितीयक प्रतिबंध लगा सकता है। बेसेंट ने ब्लूमबर्ग टीवी को दिए एक साक्षात्कार में कहा कि हमने रूसी तेल ख़रीदने वाले भारतीयों पर द्वितीयक शुल्क लगा दिया है। और मैं देख सकता हूँ कि अगर चीज़ें ठीक नहीं रहीं, तो प्रतिबंध या द्वितीयक शुल्क बढ़ सकते हैं। ट्रम्प ने हाल ही में भारतीय आयात पर 25 प्रतिशत का जुर्माना लगाया और रूस से तेल एवं हथियारों की खरीद पर 25 प्रतिशत का अतिरिक्त शुल्क लगाया। अमेरिकी प्रशासन ने नई दिल्ली पर यूक्रेन में मास्को के युद्ध को अप्रत्यक्ष रूप से वित्तपोषित करने का आरोप लगाया है। अब कुल शुल्क 50 प्रतिशत हो जाने के साथ, इस निर्णय का भारत ने कड़ा विरोध किया है। सरकार ने शुल्कों को अनुचित, अनुचित और अविवेकपूर्ण बताया है और अपने तेल आयात का बचाव राष्ट्रीय ऊर्जा सुरक्षा के मुद्दे के रूप में किया है। फॉक्स न्यूज़ को दिए एक अलग बयान में बेसेंट ने भारत को व्यापार वार्ता में थोड़ा अड़ियल बताया। नई दिल्ली और वाशिंगटन के बीच बातचीत इस महीने की शुरुआत में एक रुकावट के साथ शुरू हुई थी, जब ट्रंप ने रूसी व्यापार और कथित तौर पर अन्य चिंताओं पर चर्चा स्थगित करने की घोषणा की थी। अमेरिकी वार्ताकारों के 25 अगस्त को भारत पहुँचने की उम्मीद के साथ, व्यापार वार्ता फिर से शुरू हो सकती है। यह भारतीय वस्तुओं पर 50 प्रतिशत टैरिफ लागू होने से ठीक दो दिन पहले है। हालाँकि, विशेषज्ञों का मानना है कि अपने कृषि और डेयरी बाजारों को सुरक्षित रखने का भारत का रुख वार्ता में विवाद का एक प्रमुख मुद्दा बना रहेगा। ट्रम्प और उनके रूसी समकक्ष यूक्रेन में युद्ध समाप्त करने के तरीकों पर चर्चा करने के लिए शुक्रवार को अलास्का के एंकोरेज में मिलेंगे। युद्धरत देशों के बीच युद्धविराम की मध्यस्थता की कोशिश कर रहे अमेरिकी राष्ट्रपति ने चेतावनी दी है कि अगर मास्को शांति समझौते पर सहमत नहीं होता है तो इसके गंभीर परिणाम होंगे। ट्रंप ने कहा कि वार्ता का मुख्य उद्देश्य तीन साल से भी ज़्यादा समय से चल रहे संघर्ष को समाप्त करने के लिए एक शांति समझौता कराना था। उन्होंने इस शिखर सम्मेलन को रूसी नेता की युद्धविराम की इच्छा का आकलन करने के लिए एक अनुभव–आधारित बैठक बताया। उन्होंने पहले सुझाव दिया था कि शांति समझौते में कुछ क्षेत्रों की अदला–बदली शामिल हो सकती है। इस विचार का यूक्रेन ने विरोध किया है, जिसने कहा है कि वह क्षेत्रीय मुद्दों पर अपने संविधान का उल्लंघन नहीं कर सकता। यूक्रेन के राष्ट्रपति ज़ेलेंस्की ने पुष्टि की है कि वार्ता में कीव की भागीदारी के बिना कोई शांति समझौता नहीं होगा और इस बात पर ज़ोर दिया कि देश रूस को कोई भी क्षेत्र नहीं देगा।

गाजा में राहत सामग्री की कतारों में लगे लोगों पर इजरायली गोलीबारी, 25 की मौत

गाजा में सुबह से ही इज़राइली हमलों में कम से कम 100 फ़िलिस्तीनी मारे जाने की खबरें आ रही है लेकिन इसकी पुष्टि नहीं हुई है। अल जज़ीरा की टीम ने घेराबंदी वाले क्षेत्र के उत्तरी हिस्सों में हमलों में तेज़ी आने की सूचना दी है, जहाँ अकेले गाजा शहर में 25 लोग मारे गए हैं। गाजा में राहत सामग्री लेने के लिए एकत्र हुए लोगों पर इजराइल के सुरक्षा बलों की गोलीबारी में कम से कम 25 लोगों की मौत हो गई। स्वास्थ्य अधिकारियों और प्रत्यक्षदर्शियों ने यह जानकारी दी। नासेर अस्पताल के कर्मचारियों के अनुसार, गाजा फाउंडेशन द्वारा संचालित खाद्य वितरण स्थल से लगभग तीन किलोमीटर दूर तेना क्षेत्र में 14 लोग मारे गए।

अवदा अस्पताल और प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, नेत्ज़ारिम कॉरिडोर क्षेत्र में एक अन्य राहत स्थल तक पहुंचने का प्रयास करते समय इजराइली गोलीबारी में पांच अन्य फलस्तीनी मारे गए। नासेर अस्पताल ने बताया कि इजराइली गोलीबारी में मोराग कॉरिडोर के पास सहायता ट्रकों का इंतजार कर रहे कम से कम छह अन्य लोगों की मौत हो गई। यह कॉरिडोर दक्षिणी गाजा के कुछ हिस्सों को अलग करता है। वहीं, इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा है कि इजरायल, क्षेत्र के सबसे अधिक आबादी वाले कुछ इलाकों में आगामी सैन्य अभियान के दौरान फलस्तीनियों को वहां से निकलने की अनुमति देगा। इस बीच, युद्धविराम को लेकर वार्ता के प्रयास फिर से शुरू हो गए हैं। हमास के अधिकारी ताहिर अल–नूनू के अनुसार, हमास और मिस्र के अधिकारियों ने बुधवार को काहिरा में मुलाकात की। हालांकि, इजराइल के प्रधानमंत्री कार्यालय ने कहा कि इजराइल की काहिरा में वार्ता के लिए अपनी वार्ता टीम भेजने की कोई योजना नहीं है। इजराइल हमास के विरुद्ध अपने सैन्य आक्रमण को गाजा के उन क्षेत्रों तक बढ़ाना चाहता है, जिन पर अभी उसका नियंत्रण नहीं है। देश–विदेश में इसकी काफी निंदा हुई है। माना जा रहा कि इसका उद्देश्य हमास पर युद्ध विराम के लिए दबाव बढ़ाना हो सकता है।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

ट्रंप ने कराया सनी लियोनी का झगड़ा? खुलासे से अमेरिका दंग

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप जो खुद को सबसे ज्यादा ताकतवर मानते हैं, खुद को सबसे अक्लमंद समझते हैं। सोचते हैं कि वो शांति के मसीहा हैं। लेकिन अमेरिका का तो पुराना इतिहास रहा है कि दो देशों को लड़ाओ और शांति दूत बनकर मामला सुलझाओ। शायद ऐसा ही ट्रंप पिछले कुछ वक्त से करने की कोशिश में लगे हैं। भारत पाकिस्तान के मुद्दे पर शांति का मसीहा बनने का ख्वाब तो हिंदुस्तान ने चकनाचूड़ कर दिया। बौखलाहट में भारत पर रूस का बहाना बनाकर 50 प्रतिशत का टैरिफ बम भी फोड़ दिया। इसके अलावा ट्रंप के नाम बार बार यू–टर्न लेने का खिताब भी जुड़ गया है। अपने बयान से पलटने का उनका पुराना इतिहास रहा है।

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।